■ श्रावण कृष्ण - 6 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 346 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 16-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कुशल युवा ही आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत : योगी आदित्यनाथ

6 वैश्विक मंच पर चमकती हिन्दी और क्षेत्रीय राजनीति की कुंठा

7 शादी को लेकर समाज की सोच बदल रही : फातिमा सना शेख

फर्स्ट टेक

पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन की अंतिम तिथि 31 जुलाई

नई दिल्ली/भाषा। देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में शामिल पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और सिफारिश 31 जुलाई तक की जा सकती है। इन पुरस्कारों की घोषणा हर वर्ष गणतंत्र दिवस पर की जाती है। पद्म पुरस्कारों के लिए नामांकन और सिफारिश राष्ट्रीय पुरस्कार पोर्टल पर ऑनलाइन की जा सकती है। पद्म पुरस्कारों में पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्म श्री शामिल हैं और इनकी शुरूआत वर्ष 1954 में की गयी थी। पद्म पुरस्कार कला, साहित्य एवं शिक्षा, खेल, चिकित्सा, समाज सेवा, विज्ञान एवं इंजीनियरी, लोक कार्य, सिविल सेवा, व्यापार एवं उद्योग आदि जैसे सभी क्षेत्रों में विशिष्ट और असाधारण उपलब्धियों के लिए प्रदान किए जाते हैं। जाति, व्यवसाय, पद या लिंग के भेदभाव के बिना सभी व्यक्ति इन पुरस्कारों के लिए पात्र हैं।

'पंचायत' के अभिनेता आसिफ खान को पड़ा दिल का दौरा

मुंबई/भाषा। 'पंचायत' और 'पाताल लोक' जैसी वेब सीरीज से चर्चित हुए अभिनेता आसिफ खान को दिल का

दौरा पड़ा है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र के मुताबिक फिलहाल मुंबई के कोकिलाबेन अस्पताल में अभिनेता का इलाज चल रहा है और उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। अभिनेता से जुड़े एक सूत्र ने कहा, ''उन्हें दिल का दौरा पड़ा है। वह अस्पताल में हैं।'' 'पंचायत' में 'दामाद जी' का किरदार निभाने वाले आसिफ खान ने इंस्टाग्राम पर बताया कि उनके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। उन्होंने प्यार और समर्थन के लिए अपने प्रशंसकों को धन्यवाद दिया।

ड्रोन हमले के बाद इराकी तेल क्षेत्र में आग लगी

बगदाद/एपी। इराक के दुहोक प्रांत में एक तेल क्षेत्र पर मंगलवार को ड्रोन से हमला किया गया, जिससे उसमें आग लग गई। यह उत्तरी इराक के अर्ध-स्वायत्त कुर्द क्षेत्र में तेल सुविधाओं पर हाल में किए गए इसी तरह के हमलों की शृंखला में नवीनतम है। किसी भी समूह ने इस हमले की ज़िम्मेदारी नहीं ली है। यह हमला उसी दिन हुआ जब इराक ने अमेरिका स्थित एचकेएन एनर्जी लिमिटेड के साथ एक अन्य स्थान पर तेल क्षेत्र में निवेश के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए। एचकेएन एनर्जी ने एक बयान में पुष्टि की कि दुहोक प्रांत के सारंग क्षेत्र में स्थित उसके एक उत्पादन संयंत्र में मंगलवार सुबह विस्फोट हुआ। इसने कहा कि सभी कर्मचारी सुरक्षित हैं और किसी के भी जख्मी होने की सूचना नहीं है। कंपनी ने कहा कि क्षेत्र में आग लगी हुई है और आपात प्रक्रिया दल आग पर काबू पाने की मशक्कत कर रहे हैं।

नेपाल के मंत्री ने रिश्वतखोरी के आरोप के बाद दिया इस्तीफा

काठमांडू/भाषा। नेपाल के संघीय कार्य और सामान्य प्रशासन मंत्री राजकुमार गुप्ता ने करोड़ों रुपए की रिश्वत मांगने संबंधी आरोप के बाद मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। सरकारी कर्मचारियों के तबादले और नियुक्तियों के संबंध में रिश्वत के लिए सौदेबाजी की गुप्ता की कथित ऑडियो रिकॉर्डिंग मीडिया में सामने आई थी जिसके बाद उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया के माध्यम से अपने इस्तीफे की घोषणा की। रिश्वत की धन राशि से भरे दो बैगों की तस्वीरों के साथ प्राधिकार के दुरुपयोग के मामलों के जांच आयोग (सीआईएए) में शिकायत दर्ज कराई गई।

धरती पर लौटे शुभांशु शुक्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर जाने वाले भारत के पहले अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला एएक्स-4 मिशन के अपने तीन अन्य साथियों के साथ मंगलवार को धरती पर लौट आये।

स्पेसएक्स का ड्रैगन अंतरिक्ष यान भारतीय समय के अनुसार दोपहर बाद तीन बजे के करीब समुद्र में उतरा। ग्रुप कैप्टन शुक्ला और उनके साथी अंतरिक्ष यात्रियों ने आईएसएस पर 18 दिन बिताये। इस दौरान उन्होंने कई वैज्ञानिक अनुसंधानों को अंजाम दिया।

चारों अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर यान भारतीय समय के अनुसार सोमवार दोपहर बाद चार बजकर 35 मिनट पर आईएसएस से रवाना हुआ था। बाइस घंटे से ज्यादा के सफर के बाद यान अमेरिका के कैलिफोर्निया तट के पास समुद्र में उतरा।

आईएसएस पर जाने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला इस मिशन में पायलट के तौर पर शामिल हुए थे। अपने साथियों के साथ वहां उन्होंने कई अनुसंधान मिशनों को अंजाम दिया, जिनमें इसरो द्वारा तैयार किये गये मिशन भी शामिल थे।

भारतीय वायु सेना में टेस्ट पायलट शुक्ला देश के पहले मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' के लिए चयनित संभावित क्रू में भी शामिल हैं। वह इस क्रू में एक मात्र ऐसे सदस्य बन गये हैं, जिनके पास अब अंतरिक्ष यात्रा का अनुभव है, जो मिशन के लिए महत्वपूर्ण है।

अरबों सपनों को प्रेरित किया है : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि शुभांशु शुक्ला ने अपने समर्पण, साहस और अन्वेषण भावना से करोड़ों सपनों को प्रेरित किया है। शुक्ला अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर 18 दिन रहने के बाद पृथ्वी पर लौट आए हैं। मोदी ने 'एक्स' पर कहा, मैं राष्ट्र के साथ मिलकर ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्वागत करता हूं, जो अपने ऐतिहासिक अंतरिक्ष मिशन से पृथ्वी पर लौट आए हैं। उन्होंने शुक्ला की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन का दौरा करने वाले पहले भारतीय हैं।

शुभांशु शुक्ला का हार्दिक स्वागत है : राष्ट्रपति मुर्मू

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को 20 दिवसीय अंतरिक्ष प्रवास के बाद पृथ्वी पर लौटे शुभांशु शुक्ला को बधाई दी और कहा कि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर 'एक्सिओम-4' मिशन के संचालन में उनकी भूमिका ने भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''इस मिशन में शामिल सभी लोगों को मेरी बधाई।''

एससीओ को आतंकवाद से निपटने पर 'अडिग' रुख अपनाना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- भारत आतंकवाद का सामना करने के लिए अपनी प्रतिक्रिया में दृढ़ रहेगा।
- पहलगाम हमला जम्मू-कश्मीर की पर्यटन अर्थव्यवस्था को कमजोर करने और धार्मिक विभाजन पैदा करने की साजिश के तहत किया गया था।

तियानजिन/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत की कार्रवाई को उचित ठहराते हुए मंगलवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के एक सम्मेलन में कहा कि समूह को आतंकवाद और चरमपंथ से निपटने के अपने स्थापना उद्देश्य पर कायम रहना चाहिए और इन चुनौतियों से निपटने में कोई समझौता नहीं करने वाला रुख अपनाना चाहिए।

पाकिस्तान, चीन और अन्य एससीओ सदस्य देशों के अपने समकक्षों की उपस्थिति में जयशंकर ने कहा कि पहलगाम हमला जम्मू-कश्मीर की पर्यटन अर्थव्यवस्था को कमजोर करने और धार्मिक विभाजन पैदा करने की साजिश के तहत किया गया था। उन्होंने कहा कि भारत आतंकवाद का सामना करने के लिए अपनी प्रतिक्रिया में दृढ़ रहेगा।

चीन के शहर तियानजिन में एससीओ विदेश मंत्रियों की बैठक को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि भारत नए विचारों और प्रस्तावों पर सकारात्मक रुख अपनाता रहेगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह का सहयोग ''परस्पर सम्मान'', ''संप्रभु समानता'' और सदस्य देशों की ''क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता'' के अनुरूप होना चाहिए।

यह टिप्पणी चीन की वृहद कनेक्टिविटी परियोजना ''बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव'' (बीआरआई) की बढ़ती वैश्विक आलोचना की पृष्ठभूमि में आई है।

बैठक

बेंगलूरु में मंगलवार को केपीसीसी कार्यालय के 'भारत जोड़ो' भवन में एआईसीसी पिछड़ा वर्ग प्रभाग की पहली अन्य पिछड़ा वर्ग सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। समिति के संयोजक डॉ. अनिल जय हिंद, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, पूर्व मुख्यमंत्री वी नारायण स्वामी, वीरप्पा मोइली एवं अशोक गहलोत, बीके हरिप्रसाद, वी हनुमंत राव, सांसद अदूर प्रकाश, ज्योति मणि और अन्य ने भाग लिया।

'एक धर्म के लोगों के हमले' से असम में जनसांख्यिकी बदल रही है : हिमंत बिश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने मंगलवार को दावा किया कि राज्य के मूल समुदाय के लोग ''एक धर्म'' के लोगों से ''खतरे'' का सामना कर रहे हैं, जो कथित तौर पर उन क्षेत्रों की जनसांख्यिकी को बदलने के लिए विभिन्न हिस्सों में भूमि पर अतिक्रमण कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सरकार के बेदखली अभियान के जरिए 2021 से अब तक 1.19 लाख बीघा से अधिक जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया जा चुका है। उन्होंने इसे असमिया-बहुल इलाकों में प्रवासियों द्वारा राजनीतिक रूप से पांव जमाने की इस कथित कोशिश को रोकने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है।

मुख्यमंत्री ने यह नहीं बताया कि यह कथित कोशिश कौन कर रहा था, लेकिन बेदखल किए गए अधिकतर लोग बांग्ला भाषी मुसलमान हैं।

शर्मा ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि बेदखली अभियान के दौरान यह पाया गया है कि अतिक्रमणकारी अधिकतर वे लोग हैं जिनकी अपने मूल जिलों में जमीन है, फिर भी वे राज्य के दूर-दराज के इलाकों में अवैध रूप से बसने के लिए चले जाते हैं।

उन्होंने दावा किया, ''वन विनाश एक समस्या है। ये लोग उस जगह की जनसांख्यिकी बदलने के लिए पलायन करते हैं।''

शर्मा ने कहा कि जैसे ही ये लोग राज्य के एक हिस्से से दूसरे हिस्से में बसते हैं, वे नए इलाके में मतदाता के रूप में अपना नाम दर्ज कराते हैं।

मुख्यमंत्री ने दावा किया कि जब उनकी संख्या हजारों में हो जाती है, तो वे एक बड़ा वोट बैंक बन जाते हैं और राजनीतिक दलों के नेता जंगल या सरकारी जमीन पर उनके शुरुआती अतिक्रमण के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करते।

शिक्षा प्रणाली को समृद्ध बनाने में भारतीय भाषाओं की अहम भूमिका : मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटक/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी से लोगों की सोच और कार्यशैली में व्यापक बदलाव आने का उल्लेख करते हुए मंगलवार को कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग के दुरुपयोग के प्रति सावधान रहने की सलाह भी दी।

मुर्मू ने यहां रेवेनशॉ विश्वविद्यालय के 13वें वार्षिक दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि विश्वविद्यालय इन प्रौद्योगिकियों का अच्छा उपयोग कर रहा है। उन्होंने कहा, ''यह विज्ञान और प्रौद्योगिकी का युग है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, 3डी प्रिंटिंग और क्लाउड कंप्यूटिंग ने हमारी सोच और कार्यशैली में व्यापक बदलाव ला दिया है।'' हालांकि, मुर्मू ने सभी को इन उन्नत प्रौद्योगिकियों के दुरुपयोग के प्रति सावधान रहने की सलाह दी।

मुर्मू ने छात्राओं के बढ़ते शैक्षणिक प्रदर्शन का उल्लेख किया, जिन्होंने इस वर्ष विश्वविद्यालय के 27 विभागों में से 21 में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। उन्होंने कहा, ''पिछले पांच वर्षों में, संस्थान में छात्राओं ने पढ़ाई के मामले में लगातार छात्रों से बेहतर प्रदर्शन किया है। स्नातकोत्तर स्तर पर, टॉप करने वाली छात्राओं की संख्या छात्रों की तुलना में साढ़े तीन गुना से भी अधिक है। यह दर्शाता है कि भारत महिला सशक्तीकरण से महिला-नेतृत्व वाले विकास की ओर बढ़ रहा है।''

उन्होंने विश्वविद्यालय में जनजातीय छात्रों, वंचित और दिव्यांग छात्रों के नामांकन में लगातार हो रही वृद्धि पर भी संतोष जताया।

टेस्ला ने मुंबई में अपना पहला 'एक्सपीरियंस सेंटर' खोला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। इलेक्ट्रिक कार विनिर्माता कंपनी टेस्ला ने मुंबई के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स में अपना पहला 'एक्सपीरियंस सेंटर' मंगलवार को खोलने के साथ ही आधिकारिक तौर पर भारत में प्रवेश किया।

मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में इसका उद्घाटन किया। फडणवीस ने इस मौके पर कहा कि राज्य सरकार चाहती है कि टेस्ला भारत में अपने अनुसंधान एवं विकास और विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करे। मुख्यमंत्री ने कहा, '' हम चाहते हैं कि अनुसंधान, विकास और विनिर्माण भारत में ही हो। मुझे यकीन है कि टेस्ला उचित समय पर इस बारे में विचार करेगी।'' उन्होंने कहा, '' अपनी इस यात्रा में महाराष्ट्र को एक भागीदार मानें।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि मुंबई में अपना पहला केंद्र खोलने का टेस्ला का फैसला शहर और राज्य में उसके विश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा, '' टेस्ला एक्सपीरियंस सेंटर का उद्घाटन इस बात का प्रमाण है कि टेस्ला सही शहर और सही राज्य (यानी मुंबई और महाराष्ट्र) में आ गई है।''

फडणवीस ने कहा कि मुंबई न केवल भारत की वित्तीय, वाणिज्यिक और मनोरंजन राजधानी है, बल्कि एक उद्यमशीलता केंद्र भी है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने 2015 में अमेरिका में पहली बार टेस्ला गाड़ी चलाई थी। उन्होंने कहा, '' तब मैंने सोचा था कि भारत में भी ऐसी गाड़ी होनी चाहिए। इसमें करीब 10 साल लग गए, लेकिन हमें बहुत खुशी है कि आप आखिरकार यहां आ गए हैं। भारत में लोग टेस्ला का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। मुझे यकीन है कि आपूर्ति शुरू होने पर आपको यहां अपने सबसे अच्छे बाजारों में से एक मिलेगा।'' मुख्यमंत्री ने कहा, '' हम एक विनिर्माण केंद्र भी हैं। चार्जिंग से जुड़े बुनियादी ढांचे, वाहन प्रोत्साहन और विनिर्माण प्रोत्साहनों के लिए हमारी नीतियां सर्वश्रेष्ठ में से हैं। यह एक अच्छी शुरुआत है और इसमें बाजार को बदलने की क्षमता है।''

टेस्ला इंडिया ने मुंबई के लोढ़ा लॉजिस्टिक्स पार्क में 24,565 वर्ग फुट का 'वेयरहाउसिंग स्पेस' पांच साल की अवधि के लिए पिछले महीने पट्टे पर लिया था।

'टेस्ला एक्सपीरियंस सेंटर', टेस्ला की गाड़ियों और उनकी प्रौद्योगिकी को ग्राहकों तक पहुंचाने का एक खास तरीका है।

यमन में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की फांसी की सजा टली

नई दिल्ली/भाषा। यमन में मौत की सजा का सामना कर रही भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की फांसी यमनी अधिकारियों ने टाल दी है। सरकार के सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

भारतीय नर्स को बुधवार यानी कल फांसी दी जानी थी।

केरल के पलक्कड़ जिले के कोल्लेंगोडे की रहने वाली प्रिया को जुलाई 2017 में एक यमनी नागरिक की हत्या का दोषी पाया गया है।

सूत्रों ने बताया कि ऐसी जानकारी मिली है कि यमन के स्थानीय अधिकारियों ने 16

जुलाई को होने वाली फांसी की सजा टाल दी है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार ने हाल के दिनों में प्रिया के परिवार को दूसरे पक्ष के साथ ''पारस्परिक रूप से स्वीकार्य'' समाधान तक पहुंचने के वास्ते अधिक समय देने के लिए ठोस प्रयास किए हैं।

यमन की एक अदालत ने 2020 में उसे मौत की सजा सुनाई थी और देश की सर्वोच्च न्यायिक परिषद ने नवंबर 2023 में उसकी अपील खारिज कर दी थी।

भारत की 38 वर्षीय नर्स अभी यमन की राजधानी सना की एक जेल में बंद है, जो ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के नियंत्रण वाला क्षेत्र है।

सूत्रों ने बताया कि भारत सरकार शुरू से ही इस मामले में हरसंभव सहायता प्रदान कर रही है।

भाजपा के भ्रष्टाचार के कारण बर्बाद हो रही है सार्वजनिक व्यवस्था : राहुल

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मानसून में हुए कुछ पुल हादसों तथा अन्य बड़ी दुर्घटनाओं का हवाला देते हुए मंगलवार को आरोप लगाया कि लोग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के ''भ्रष्टाचार'' के कारण बर्बाद होती सार्वजनिक व्यवस्था का दंश झेल रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने फेसबुक पर एक पोस्ट में कहा, ''मानसून आया और साथ ही आपके टैक्स के पैसे भी बहा ले गया, भाजपा के भ्रष्टाचार की गंदगी में। हर बार जब कोई पुल गिरता है, हर बार जब कोई सड़क बह जाती है, हर बार जब कोई ट्रेन पटरी से उतरती है समझ लीजिए, ये सिर्फ़ निर्माण की असफलता नहीं, ये आपकी जेब से एक संगठित लूट है।'' उन्होंने कहा कि हर बार जब हादसे में किसी के प्रिय की जान जाती है और कोई ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जाता, तो वो दुर्घटना नहीं, हत्या होती है।

16-07-2025 सूर्यास्त 6:39 बजे	17-07-2025 सूर्योदय 5:50 बजे
BSE 82,570.91 (+317.45)	NSE 25,195.80 (+113.50)
सोना 10,284 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 127,000 रु. प्रति किलो

मुंबई में इलेक्ट्रिक डबल डेकर बस में आग लगी, कोई हताहत नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। बृहन्मुंबई विद्युत आपूर्ति एवं परिवहन (बेस्ट) द्वारा लीज पर ली गई एक डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस में मंगलवार सुबह दक्षिण मुंबई में आग लग गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) के निकट फोर्ट क्षेत्र में रूट 138 पर चलने वाली बस में सुबह करीब सवा नौ बजे आग लग गई। उन्होंने बताया कि घटना में किसी के भी हताहत होने की खबर नहीं है। पिछले तीन वर्षों में बेस्ट के बेड़े में शामिल डबल डेकर इलेक्ट्रिक बसों में आग लगने की यह पहली घटना है। अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि दमकल की एक गाड़ी को घटनास्थल पर भेजा गया और आग पर तुरंत काबू पा लिया गया।

बेस्ट के प्रवक्ता ने बताया कि यह डबल डेकर बस उन 50 बसों में से एक है, जिन्हें बेस्ट ने वाहन विनिर्माता कंपनी अशोक लेलैंड की सहायक कंपनी स्विच मोबिलिटी से लीज पर लिया है। उन्होंने बताया कि प्रभावित बस सीएसएमटी के निकट भाटिया बाग से रवाना हुई थी और बैकबे डिपो की ओर जा रही थी। प्रवक्ता ने कहा, आग सामने के बाएं टायर के पास स्थित एक उच्च-वोल्टेज वाली बैटरी के पास लगी। उन्होंने बताया कि घटना के समय बस यात्रियों से भरी हुई थी। लेकिन जैसे ही चालक को आग लगने का पता चला, उसने बस को किनारे लगा दिया और यात्रियों को सुरक्षित उतार दिया गया।

आग लगने का कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन अधिकारियों को शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने का संदेह है।

सरकार वैज्ञानिक अनुमति के बिना जैव-उत्प्रेरक पदार्थों की बिक्री की अनुमति नहीं देगी : चौहान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जैव-उत्प्रेरक (बायोस्टिमुलेंट) पदार्थों के बाजार में अनियमितताओं से चिंतित कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को कहा कि सरकार वैज्ञानिक अनुमति के बिना ऐसे उत्पादों की बिक्री की अनुमति नहीं देगी।

एक समीक्षा बैठक में, चौहान ने मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के अधिकारियों की किसानों द्वारा जैव-उत्प्रेरक पदार्थों की गुणवत्ता और उनके प्रभावी नहीं होने की शिकायतों के बावजूद उनकी बढ़ती बिक्री पर 'आंख मूंदकर' नज़र रखने के लिए आलोचना की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मंत्री ने अपने मंत्रालय के अधिकारियों को उन जैव-उत्प्रेरक पदार्थों की बिक्री की अनुमति देने का निर्देश दिया जो कृषि क्षेत्र में प्रभावी हैं और गुणवत्ता मानकों को पूरा करते हैं। उन्होंने मंत्रालय के अधिकारियों को नियम और विनियम निर्धारित करके एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा, ''अब वैज्ञानिक रूप से अनुमोदित होने के बाद ही अनुमति दी जाएगी और इसकी पूरी ज़िम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी।'' बायोस्टिमुलेंट या जैव-उत्प्रेरक ऐसे पदार्थ या सूक्ष्मजीव (जैसे लाभकारी बैक्टीरिया, कवक या पौधों के अर्क) होते हैं जो बीजों, पौधों या मिट्टी पर डालने पर प्राकृतिक पादप प्रक्रियाओं को उत्तेजित करते हैं।

इस क्षेत्र में अनियमितताओं पर चिंता व्यक्त करते हुए, चौहान ने कहा कि देश में बायोस्टिमुलेंट कई साल से बेचे जा रहे हैं और बिक्री की अनुमति अवधि एक-एक वर्ष बढ़ाई जा रही है, लेकिन कई बार क्षेत्र से शिकायतें आती हैं कि इससे कोई लाभ नहीं हो रहा है, फिर भी इसे बेचा जा रहा है। चौहान ने कहा, ''इनकी गहन समीक्षा करना आवश्यक है ताकि यह देखा जा सके कि किसानों को इससे कितना लाभ मिल रहा है और यदि नहीं मिल रहा, तो इसे बेचने की अनुमति नहीं दी जा सकती।'' उन्होंने कहा कि हजारों कंपनियों ने बिना किसी नियम के जैव-उत्प्रेरक बेचना शुरू कर दिया है, लेकिन सरकार किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं होने देगी। उन्होंने कहा कि सरकार इनके संदिग्ध विनिर्माताओं के खिलाफ कार्रवाई करेगी।

वर्तमान में, उर्वरक (अकार्बनिक, कार्बनिक या मिश्रित) (नियंत्रण) आदेश, 1985 (एफसीओ) में संशोधनों के माध्यम से जैव-उत्प्रेरक के लिए एक व्यापक नियामकीय ढांचा मौजूद है, जिसे 2024 और 2025 में नवीनतम जानकारियों के साथ अद्यतन किया जाएगा। भारत में जैव-उत्प्रेरक बाजार का मूल्य 2024 में लगभग 35.5-36.2 करोड़ डॉलर था और 2032 तक इसके 1.13 अरब डॉलर से 1.2 अरब डॉलर के बीच पहुंचने का अनुमान है।

Infosys Foundation

इन्फोसिस फाउंडेशन ने लोगों को रोजगार के काबिल बनाने को लेकर शुरू किया कौशल कार्यक्रम

नई दिल्ली/भाषा। इन्फोसिस फाउंडेशन ने मंगलवार को कौशल विकास कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की। इसका उद्देश्य 2030 तक भारत में पांच लाख लोगों को अच्छी नौकरी के लिए काबिल बनाना है। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी की परमार्थ और कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) से जुड़ी इकाई ने इसके पहले चरण के लिए 200 करोड़ रुपए से अधिक की प्रतिबद्धता जताई है।

इन्फोसिस का प्रमुख डिजिटल लर्निंग मंच, इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड कौशल हासिल करने वालों को न केवल सीखने और कौशल विकास के लिए सहायता देगा, बल्कि स्थायी आजीविका और करियर के अवसर भी प्रदान करेगा। कंपनी ने एक बयान में कहा, ''इन्फोसिस फाउंडेशन... ने आज इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड आजीविका कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की।''

इस्मा का सरकार से ईंधन एथनॉल आयात 'अंकुश' को बनाए रखने का आग्रह

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय चीनी एवं जैव-ऊर्जा निर्माता संघ (इस्मा) ने सरकार से ईंधन एथनॉल आयात पर 'अंकुश' बनाए रखने का आग्रह किया है और चेतावनी दी है कि इस तरह के आयात की अनुमति देने से राष्ट्रीय ऊर्जा सुरक्षा और हरित ईंधन में आत्मनिर्भरता कमज़ोर हो सकती है।

उद्योग निकाय ने इस बात पर चिंता व्यक्त की है कि अमेरिका अपने कृषि लॉबी समूहों के समर्थन से, भारत पर इन अंकुशों को हटाने और व्यापक व्यापार वार्ता के हिस्से के रूप में ईंधन के उपयोग के लिए एथनॉल आयात की अनुमति देने के लिए सक्रिय रूप से पैरवी कर रहा है। इस बारे में भारतीय वाणिज्य विभाग के अधिकारी अमेरिकी समकक्षों के साथ इस बारे में बातचीत कर रहे हैं।

हालांकि, इस महीने तक ईंधन एथनॉल आयात की अनुमति देने वाले किसी भी नीतिगत बदलाव को लागू नहीं किया गया है।

इस्मा के महानिदेशक दीपक बल्लानी ने वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को लिखे पत्र में मांग की है कि सरकार मिश्रण उद्देश्यों के लिए ईंधन एथनॉल आयात पर मौजूदा अंकुशों को बनाए रखे और स्वदेशी एथनॉल उत्पादन का समर्थन जारी रखे।

सीसीटीवी कैमरों के रखरखाव के लिए कार्य-योजना बनाएगी महाराष्ट्र सरकार: फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मंगलवार को कहा कि राज्य भर में लगाए गए सीसीटीवी कैमरों के रखरखाव और मरम्मत के लिए जल्द एक कार्य-योजना तैयार की जाएगी क्योंकि उचित रखरखाव के अभाव में कई कैमरे काम नहीं कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी के विधायक प्रशांत ठाकुर द्वारा विधानसभा में पूछे गए प्रश्न का उत्तर देते देते हुए फडणवीस ने स्वीकार किया कि कई जगहों पर सीसीटीवी कैमरे ठीक से काम नहीं कर रहे हैं।

विधायक भास्कर जाधव ने भी इस मुद्दे पर एक पूरक प्रश्न उठाया।

मुख्यमंत्री ने कहा, राज्य के विभिन्न हिस्सों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं पर अपर्याप्त रखरखाव के कारण वो अक्सर बंद पड़ जाते है। जल्द एक व्यापक कार्य-योजना बनाकर इन कैमरों को कहां लगाना है और कैसे इनका रखरखाव करना है यह तय किया जाएगा। इनकी दुरुस्ती और रखरखाव के लिए एक एकीकृत एजेंसी ज़िम्मेदार होगी। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य पूरे महाराष्ट्र में सीसीटीवी निगरानी प्रणालियों की दीर्घकालिक कार्यक्षमता और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

मुख्य प्रश्न रायगढ़ में सीसीटीवी कैमरे लगाने को लेकर पूछा गया था।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि जिले में 300 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए है जिनमें से 79 काम नहीं कर रहे थे।

गढ़चिरौली के आश्रम स्कूलों के 4,710 छात्रों में से 309 में कैंसर-पूर्व लक्षण पाए गए : मंत्री उइके

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के आदिवासी विकास मंत्री अशोक उइके ने मंगलवार को राज्य विधान परिषद को बताया कि गढ़चिरौली जिले के आश्रम स्कूलों के 4,710 विद्यार्थियों में से 309 में स्क्रीनिंग के दौरान कैंसर से पूर्व के लक्षण दिखे हैं। अशोक उइके ने जो जानकारी साझा की, उसके अनुसार इनमें से 12 विद्यार्थियों की सर्जरी की गई, तथा यह भी पता चला कि इनमें से कम से कम 676 विद्यार्थी तंबाकू के आदी पाए गए।

आश्रम स्कूल मुख्यतः आदिवासी बच्चों के लिए आवासीय विद्यालय हैं, जो निःशुल्क आवास, भोजन और शिक्षा प्रदान करते हैं।

मंत्री ने सदन में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा कि 2022-23 से 2024-25 के बीच, सरकारी डेंटल कॉलेज और अस्पताल तथा भारतीय डेंटल एसोसिएशन, नागपुर ने पूर्वी महाराष्ट्र जिले के गढ़चिरौली, भामरागढ़ और अहेरी तालुका में आश्रम स्कूल के विद्यार्थियों के मुंह की जांच की।

गढ़चिरौली में 769 विद्यार्थियों की जांच की गई, जिनमें से 304 विद्यार्थियों में मुंह के कैंसर के पूर्व लक्षण पाए गए। उन्होंने बताया कि नागपुर के सरकारी डेंटल कॉलेज और अस्पताल में सात विद्यार्थियों की सर्जरी की गई।

मंत्री के अनुसार, भामरागढ़ में जिन 1,778 विद्यार्थियों की जांच की गई, उनमें से 487 तंबाकू के आदी पाए गए, लेकिन किसी में भी किसी बड़ी बीमारी के लक्षण नहीं दिखे।

विद्यालयों की प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को गीता के श्लोक सुनाए जाएंगे

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड में एक आधिकारिक आदेश में कहा गया है कि राज्य के सरकारी स्कूलों की प्रार्थना सभा में विद्यार्थियों को श्रीमद् भगवद्गीता का एक श्लोक अर्थ सहित प्रतिदिन सुनाया जाए ताकि आधुनिक शिक्षा के साथ ही भारतीय ज्ञान परंपरा से छात्रों को अवगत कराकर उन्हें एक श्रेष्ठ नागरिक बनाया जा सके। उत्तराखंड माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. मुकुल कुमार सती द्वारा मुख्य शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में जारी एक आदेश में कहा गया है कि प्रार्थना सभा में सुनाए जाने वाले इस श्लोक के वैज्ञानिक दृष्टिकोण की जानकारी भी छात्रों को दी जाएगी ।

शिक्षकों को प्रत्येक सप्ताह गीता के श्लोक को 'सप्ताह का श्लोक' घोषित कर उसे सूचना पटट पर अर्थ सहित लिखे जाने को कहा गया है जिसका छात्र अभ्यास करेंगे और सप्ताह के अंत में उस पर चर्चा कर उसका 'फीडबैक' लिया जाएगा । आदेश में शिक्षकों को समय-समय पर श्लोकों की व्याख्या करने तथा छात्रों को इस बात की जानकारी देने को कहा गया है कि श्रीमद् भगवद्गीता के सिद्धांत किस प्रकार मानवीय मूल्य, व्यवहार, नेतृत्व कौशल, निर्णय क्षमता, भावनात्मक संतुलन और वैज्ञानिक सोच विकसित करते हैं। छात्रों को बताया जाएगा कि गीता के उपदेश मनोविज्ञान, तर्कशास्त्र, व्यवहार विज्ञान एवं नैतिक दर्शन पर आधारित हैं जो धर्मनिरपेक्ष द्रष्टिकोण से संपूर्ण मानवता के लिए उपयोगी हैं।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में नक्सलियों ने की दो ग्रामीणों की हत्या

बीजापुर/भाषा। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में नक्सलियों ने दो ग्रामीणों की हत्या कर दी जिसके बाद पुलिस दल को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया है। पुलिस ने बताया कि जिले में फरसेगढ़ थाना क्षेत्र के पील्लूर गांव के विनोद मडे (28) और टेकामेटा गांव के सुरेश मेट्टा (29) की नक्सलियों द्वारा हत्या किये जाने की सूचना मिलने के बाद पुलिस दल को घटनास्थल के लिए रवाना किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि ये दोनों शिक्षादूत (अतिथि शिक्षक) थे । विनोद कोंडापड़गु में शिक्षादूत के पद पर कार्यरत थे जबकि सुरेश अपने ही गांव में शिक्षादूत के पद पर पदस्थ थे। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को जानकारी मिली है कि बीती रात नक्सलियों ने विनोद और सुरेश की हत्या कर दी।

उचित डीपीआर न बनाने वाले सलाहकारों को दंडित करेगी सरकार: गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कहा कि सरकार उन सलाहकारों को दंडित करेगी जो राजमार्गों और सुरंगों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) बनाने में उचित प्रक्रियाओं का पालन नहीं करते हैं।

डीपीआर, सड़क निर्माण परियोजना के लिए एक व्यापक खाका होता है। इसमें इसके क्रियान्वयन के लिए आवश्यक सभी तकनीकी, वित्तीय और लॉजिस्टिक्स विवरण का उल्लेख होता है। गडकरी ने यहां आयोजित कार्यक्रम में कहा, '' भारत में सलाहकार कंपनियों द्वारा तैयार डीपीआर की गुणवत्ता अच्छी नहीं है। इसके अलावा, ठेकेदार भी अच्छा काम नहीं कर रहे हैं।'' सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा, '' हमने डीपीआर तैयार करने वाले सलाहकारों को 'रेटिंग' देना शुरू कर दिया है... जो लोग अच्छी डीपीआर बना रहे हैं उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा और जो उचित प्रक्रियाओं का पालन नहीं कर रहे हैं उन्हें दंडित किया जाएगा।'' गडकरी ने कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) कोष के सामाजिक-आर्थिक ऑडिट की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि सीएसआर कोष का इस्तेमाल देश के आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े लोगों की मदद के लिए किया जाना चाहिए।

चार इंजन वाली सरकार पूरी तरह नाकाम: केजरीवाल

नई दिल्ली/भाषा। आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए मंगलवार को कहा कि ''चार इंजन वाली सरकार पूरी तरह से फेल हो चुकी है।'' उन्होंने लगातार दो दिन शैक्षणिक संस्थानों को मिली बम की धमकियों के बाद दिल्ली की कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चिंता जताई। द्वारका के एक स्कूल और प्रतिष्ठित सेंट स्टीफंस कॉलेज को मंगलवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसके बाद अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की और गहन तलाशी अभियान चलाया। सोमवार को भी इसी तरह तीन विद्यालयों को धमकी मिली थीं लेकिन बाद में यह अफवाह साबित हुईं।

इन घटनाओं पर प्रतिक्रिया देते हुए केजरीवाल ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''दिल्ली में ये क्या हो रहा है? कल दो स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी मिली और आज एक और स्कूल तथा कॉलेज को धमकी मिली है। बच्चे डरे हुए हैं, अभिभावक बेहद चिंतित हैं। भाजपा की चार-चार इंजन वाली सरकार पूरी तरह से फेल हो चुकी है।'' आप की एक अन्य नेता आतिशी ने आरोप लगाया कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गई है और उन्होंने कटाक्ष करते हुए सवाल उठाया कि क्या भाजपा सरकार के लिए छात्रों की सुरक्षा कोई मायने नहीं रखती? उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''दिल्ली में लगातार स्कूलों एवं कॉलेज को बम की धमकियां मिलना बेहद डरावना और चिंताजनक है। बच्चे डरे हुए हैं, माता-पिता परेशान हैं-भाजपा की चार-चार इंजन वाली सरकार सुरक्षा तक देने में नाकाम साबित हुई है। क्या बच्चों की सुरक्षा की कोई अहमियत नहीं है इनके लिए? कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है।''

करीब 1,000 सरकारी आईटीआई को उन्नत बनाने का कार्यक्रम जल्द शुरू होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार देश भर में मौजूद 3,000 सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में से करीब 1,000 संस्थानों को उन्नत बनाने के लिए जल्द ही एक कार्यक्रम शुरू करेगी। यह कार्यक्रम मई में अनुमोदित 60,000 करोड़ रुपए की केंद्र प्रायोजित योजना का हिस्सा है।

केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता मंत्री जयंत चौधरी ने मंगलवार को विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर आईटीआई को अपनी गुणवत्ता में सुधार पर ध्यान देने के साथ उनके नवनिर्माण के लिए किए जा रहे विभिन्न उपायों को रेखांकित किया। इस अवसर पर कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के सचिव रजित पुन्हानी ने कहा, ''हम जल्द ही सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) में आईटीआई को उन्नत करने का एक कार्यक्रम शुरू करने जा रहे हैं। अगले दौर में कदम रखने के साथ हमारा ध्यान गुणवत्ता, प्रासंगिकता, समावेश और नवाचार पर बने रहना चाहिए।''

चौधरी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आईटीआई के उन्नयन के पीछे का विचार भारत की प्रतिस्पर्धी भावना को उभारना है। इस क्रम में कई आईटीआई को लाखों खाली सीटें होने के कारण गैर-संबद्ध कर दिया गया है। उन्होंने कहा, ''हमारे पास ऐसे गैर-संबद्ध आईटीआई हैं जिनमें 2018 का दिशानिर्देश जारी होने के छह साल बाद 4.5 लाख से अधिक सीटें खाली थीं। अब हम उन आईटीआई के खिलाफ भी कार्रवाई कर रहे हैं जिनमें पिछले दो वर्षों से 99,000 सीटें खाली पड़ी हैं। इससे 2024 में आईटीआई संस्थानों में प्रवेश 11 प्रतिशत बढ़ गया। हम गुणवत्ता पर ध्यान केंद्रित करते हुए 'सिस्टम' को साफ कर रहे हैं।''

उन्होंने आईटीआई को उन्नत बनाने की योजना की जानकारी देते हुए कहा, ''हमें राज्यों के साथ काम करना होगा, हमें शासन में सुधार करना होगा, गुणवत्ता पर ध्यान देना है। इस लिहाज से 1,000 (सरकारी) आईटीआई पर काम करना होगा।'' उन्होंने बताया कि इस काम को 'हब एवं स्पोक' मॉडल में अंजाम दिया जाना है। इन संस्थानों में से 200 'हब' होंगे जबकि 800 'स्पोक' श्रेणी में रखे जाएंगे।

फौजा सिंह ने दुनियाभर में सिख समुदाय को गौरवान्वित किया : भगवंत मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मंगलवार को कहा कि अनुभवी मैराथन धावक फौजा सिंह ने अपनी लंबी दूरी की दौड़ से दुनिया भर के सिख समुदाय को गौरवान्वित किया।

सिंह की सोमवार को जालंधर जिले में अपने पैतृक गांव बियास में टहलने के दौरान एक अज्ञात वाहन की टक्कर से मृत्यु हो गई थी। वह 114 वर्ष के थे। कुछ ग्रामीणों ने मंगलवार को बताया कि हिट-एंड-रन की घटना में सिंह को शायद एक एसयूवी ने टक्कर मारी थी। उन्होंने दावा किया कि वह पांच से सात फुट तक हवा में उछल गए थे।

मान ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''प्रसिद्ध पंजाबी सिख धावक फौजा सिंह जी के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। दुनिया के सबसे बुजुर्ग धावक फौजा सिंह जी ने अपनी लंबी दूरी की दौड़ से दुनिया में सिख समुदाय को गौरवान्वित किया। उनकी जगह हमेशा हमारे दिलों में रहेगी। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करता हूं।'' जालंधर के पुलिस अधिकारी ने बताया था कि सिंह को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी। मैराथन धावक को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन सोमवार शाम उनकी मौत हो गई। जालंधर के एक पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि सिंह को टक्कर मारने के बाद फरार हुए चालक का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। उनके परिवार के एक सदस्य ने मंगलवार को 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि सिंह का अंतिम संस्कार कुछ दिन बाद होने की संभावना है। उन्होंने कहा, ''हमारे कई रिश्तेदार ब्रिटेन और कनाडा सहित विदेशों में रहते हैं, इसलिए उनके यहां पहुंचने में कुछ समय लग सकता है।'' इस बीच, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सिंह के निधन की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''स्वस्थ जीवनशैली के साथ 114 वर्ष की आयु का जीवन, आज के दौर में असम्भव है और उन्होंने इसको सम्भव कर दिखाया। उनकी अदम्य ऊर्जा और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उनकी जीवन यात्रा आने वाली पीढ़ियों को अनुशासन, संकल्प और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देती रहेगी।'' पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा एवं कांग्रेस की राज्य इकाई के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह

देर से ही सही, राज्यपाल ने पहलगाम हमले के लिए खुफिया विफलता को जिम्मेदार माना : उमर अब्दुल्ला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने देर से ही सही, लेकिन आखिरकार स्वीकार कर लिया कि पहलगाम हमले के लिए खुफिया विफलता जिम्मेदार थी।

उन्होंने इस आतंकवादी हमले के सिलसिले में जिम्मेदारी तय करने का आह्वान किया, जिसमें 26 लोग मारे गए थे। उमर एक प्रमुख अखबार को दिए साक्षात्कार में सिन्हा की इस कथित टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह पहलगाम हमले की पूरी जिम्मेदारी लेते हैं। उन्होंने श्रीनगर में एक कार्यक्रम से इतर पत्रकारों से बातचीत में कहा, 80 दिन बाद ही सही, लेकिन देर आए दुरुस्त आए। हमने यह (पहले) नहीं कहा, जबकि हम जानते थे कि इतना बड़ा हमला (खुफिया) विफलता के बिना नहीं हो सकता।

उमर ने कहा कि अब जब विफलता स्वीकार कर ली गई है, तो जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। उन्होंने कहा, सिन्हा ने शायद कहा है कि खुफिया विफलता हुई थी। अगर ऐसा है, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? ऐसा नहीं हो सकता कि 26 लोगों की जान चली जाए और कोई प्रगति न हो। जब हम स्वीकार करते हैं कि खुफिया विफलता हुई है, तो किसी को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। सोमवार की उस घटना के बारे में पूछे जाने पर, जिसमें पुलिस ने नेताओं को श्रीनगर की केंद्रीय जेल के बाहर 13 जुलाई 1931 को डोगरा सेना द्वारा मारे गए 22 लोगों को नक्शबंद साहिब कब्रिस्तान में श्रद्धांजलि देने से रोकने की कोशिश की, उमर ने कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है और ऐसा नहीं होना चाहिए था।

मुख्यमंत्री ने कहा, ऐसा नहीं होना चाहिए था। यह दुर्भाग्यपूर्ण था, क्योंकि हम कोई कानून नहीं तोड़ रहे थे। प्रतिबंध 13 जुलाई के लिए थे, 14 जुलाई के लिए नहीं। ऐसा नहीं होना चाहिए था। उन्होंने अपने समर्थन के लिए पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के अपने समकक्षों सहित अन्य नेताओं का आभार व्यक्त किया। इससे पहले, बोंस एंड जॉइंट्स हॉस्पिटल में एक समारोह को संबोधित करते हुए उमर ने कहा कि उनकी विनम्रता को उनकी कमजोरी नहीं समझा जाना चाहिए। नेकां प्रमुख ने कहा, कुछ लोग सोचते हैं कि हम कमजोर हैं, क्योंकि हम धमकियां नहीं देते, लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि हम कमजोर नहीं हैं। हमारी विनम्रता को कमजोरी मत समझिए।

प्रधानमंत्री मोदी, स्टालिन और अन्य नेताओं ने कामराज की जयंती पर उन्हें याद किया

जयंती : चेन्नई में मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री पेरुंथलाइवर कामराज की 123वीं जयंती के अवसर पर, जिसे तमिलनाडु सरकार द्वारा अन्नासलाई के पल्लवन इल्लम के निकट शिक्षा विकास दिवस के रूप में मनाया गया। इस मौके पर मत्स्य पालन-मछुआरा कल्याण और पशुपालन मंत्री अनिता आर. राधाकृष्णन, हिंदू धर्म और ग्रामीण विकास मंत्री पी.के. सेकरबाबू, ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन की मेयर आर. प्रिया, विधायक टी. वेत्रु, ए.एम.वी. प्रभाकरजा, उप महापौर एम. महेशकुमार सहित अनेक गणमान्य एवं उच्चाधिकारी उपस्थित थे। सभी ने प्रतिमा के पास सजाई गई श्री कामराजजी की छवि पर पुष्पांजलि अर्पित की।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन और कई अन्य नेताओं ने मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के प्रतिष्ठित नेता के. कामराज की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रधानमंत्री ने राष्ट्र की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि कामराज भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका में थे और उन्होंने स्वतंत्रता के बाद देश की यात्रा के प्रारंभिक वर्षों में अमूल्य नेतृत्व प्रदान किया। मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, कामराज के महान आदर्श और सामाजिक न्याय को लेकर उनके विचारों ने हम सभी को बहुत प्रेरित किया है।''

कांग्रेस नेता को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए तमिलनाडु के राज्यपाल आर एन रवि ने कहा कि कामराज एक समर्पित राष्ट्रवादी, साहसी स्वतंत्रता सेनानी और आधुनिक तमिलनाडु के दूरदर्शी वास्तुकार थे। रवि ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, उन्होंने (कामराज ने) हर गांव में स्कूल स्थापित करके शिक्षा को सार्वभौमिक बनाया, क्रांतिकारी मध्याह्न भोजन योजना शुरू की और हाशिये पर पड़े लोगों तथा दलितों के लिए अथक संघर्ष किया, सामाजिक न्याय को आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री स्टालिन ने भी कांग्रेस नेता को उनकी 123वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

स्टालिन ने कामराज को एक सच्चा तमिल बताया, जिन्होंने पेरियार रामासामी के मार्गदर्शन में शासन किया। मुख्यमंत्री ने कहा, एक महान नेता जिन्होंने साहसपूर्वक घोषणा की कि प्रतिभा जन्म से नहीं आती, बल्कि अवसर मिलने पर कोई भी इसे प्राप्त कर सकता है।

स्टालिन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''कामराज की जयंती पर मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। कामराज लोगों के बीच एक साधारण नेता के रूप में रहे। मैंने लोगों तक पहुंचने के लिए आज से 'उंगलुदान स्टालिन' (स्टालिन आपके साथ) पहल की शुरुआत की। ''

अन्नाद्रमुक के महासचिव ई के पलानीस्वामी, तमिलनाडु कांग्रेस समिति के अध्यक्ष के सेल्वापेरुन्थागई और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई के प्रमुख नैनार नागेंथिरन ने भी कामराज को श्रद्धांजलि अर्पित की।

तमिलनाडु के जेल अधिकारियों को दिव्यांग कैदियों की पहचान करने का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को तमिलनाडु के जेल अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे लाए जाने के समय दिव्यांग कैदियों की पहचान करें। शीर्ष अदालत ने साथ ही कहा कि सभी जेल में दिव्यांगों के अनुकूल बुनियादी ढांचे की व्यवस्था होनी चाहिए। न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर. महादेवन की पीठ ने कई निर्देश जारी करते हुए कहा कि हर कैदी को अपनी दिव्यांगता, यदि कोई हो तो, की घोषणा करने और अपनी विशिष्ट आवश्यकताओं के बारे में जानकारी देने का मौका दिया जाना चाहिए।

पीठ ने कहा, यह अदालत न्यायिक प्रणाली में हाशिये पर मौजूद सबसे कमजोर समूहों में से एक दिव्यांग व्यक्तियों की दुर्दशा पर गहरी चिंता व्यक्त करती है। उन्हें समाज में जिन सामाजिक और संरचनात्मक बाधाओं का सामना करना पड़ता है, वे जेल के माहौल में और भी बढ़ जाती हैं। आदेश में महिला कैदियों के विपरीत दिव्यांग या ट्रांसजेंडर बंदियों के लिए सम्मान, पहुंच और सुरक्षा की गारंटी देने वाले विशिष्ट कानूनी या नीतिगत ढांचे के अभाव की ओर इशारा किया गया है। इसमें कहा गया है, गिरफ्तारी से लेकर मुकदमे और कारावास तक, दिव्यांग व्यक्तियों को पुलिस और जेल कर्मियों में प्रशिक्षण और संवेदनशीलता की कमी के कारण प्रणालीगत असुविधाओं का सामना करना पड़ता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि ऐसे कैदियों को जेल में बिताए जाने वाले जीवन के बारे में सभी नियम, विनियम और अन्य आवश्यक जानकारियां ब्रेल, बड़े प्रिंट, सांकेतिक भाषा या सरलीकृत भाषा जैसे सुलभ एवं समझने योग्य प्रारूपों में प्रदान की जानी चाहिए। उसने कहा, सभी जेल परिसरों में व्हीलचेयर-अनुकूल स्थान, दिव्यांग अनुकूल शौचालय, रैंप और संवेदी-सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित हो सके। सभी जेलों में फिजियोथेरेपी, मनोचिकित्सा और अन्य आवश्यक चिकित्सा सेवाओं के लिए समर्पित स्थान निर्धारित और स्थापित किए जाएंगे।

शीर्ष अदालत ने 'बेकर मस्कुलर डिस्ट्रॉफी' से पीड़ित अधिवक्ता एल. मुरुगनन्थम की मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान ये निर्देश जारी किए, जिसमें उन्हें पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया गया था। मुरुगनन्थम को एक व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक शिकायत के मामले में जेल में डाल दिया गया था, जिसके साथ उनके परिवार का भूमि विवाद था।

न्यायालय ने तमिलनाडु की सभी जेल का राज्य स्तरीय ऑडिट छह महीने के भीतर पूरा करने का आदेश दिया। यह ऑडिट समाज कल्याण विभाग, दिव्यांगजन कल्याण विभाग के अधिकारियों और प्रमाणित विशेषज्ञों वाली एक विशेषज्ञ समिति द्वारा किया जाएगा

केरल सरकार धर्म और शिक्षा के घालमेल की अनुमति नहीं देगी : मंत्री शिवनकुट्टी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कन्नूर/भाषा। केरल के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने मंगलवार को कहा कि सरकार 'धर्म और शिक्षा के घालमेल' की अनुमति नहीं देगी। उन्होंने दोहराया कि स्कूलों के संशोधित समय-सारिणी में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। संशोधित समय-सारिणी के अनुसार माध्यमिक स्कूल के छात्र (कक्षा आठ से 10 तक) शुक्रवार को छोड़कर प्रत्येक कार्य दिवस में सुबह में 15 मिनट और अपराह्न में 15 मिनट अतिरिक्त समय तक स्कूल में रहेंगे, जिससे स्कूलों को प्रति वर्ष आवश्यक 1,100 शिक्षण घंटे पूरे करने में मदद मिलेगी। हालांकि, सुन्नी मौलवियों की एक प्रमुख संस्था समस्त 'केरल जमीयतुल उलमा' सहित विभिन्न मुस्लिम संगठनों ने इस फैसले की आलोचना की है। उन्होंने दलील दी है कि अध्ययन के घंटे बढ़ाने से धार्मिक शिक्षा प्रभावित होगी।

शिवनकुट्टी ने यहां एक टीवी चैनल से बात करते हुए तर्क दिया कि ''कुछ खास समुदायों'' का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठनों को खुद को धार्मिक मामलों तक ही सीमित रखना चाहिए। उन्होंने कहा, ''सरकार यहां शिक्षा के मामलों में हस्तक्षेप कर सकती है।'' उन्होंने कहा, शिक्षा और धर्म का घालमेल नहीं होना चाहिए और इसकी अनुमति देने का कोई सवाल ही नहीं उठता।'' उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई शिक्षा के संबंध में कोई कुछ कहना चाहता है, तो उसका स्वागत है।

शिवनकुट्टी ने स्पष्ट किया, ''अगर कोई विशेष समूह ये कहता है कि जो कुछ भी हो रहा है वह उसे समझना चाहता है, तो हम उनसे बातचीत करने को तैयार हैं। लेकिन स्कूलों के समय को लेकर कोई बदलाव नहीं होगा।''

मंत्री ने हाल में राज्य के 2025-26 के नए शैक्षणिक कैलेंडर का बचाव किया था, जिसमें ''राष्ट्रीय और राज्य शिक्षा मानकों'' को पूरा करने के लिए स्कूल में अध्यापन के घंटे बढ़ाए गए हैं तथा चुनिंदा शनिवारों को भी इसे जारी रखा गया है। संशोधित समय के बारे में उन्होंने कहा था कि यह कदम केरल उच्च न्यायालय के एक निर्देश के बाद उठाया गया है, जिसने अगस्त 2024 में फैसला सुनाया था कि पहले जारी किया गया शैक्षणिक कैलेंडर कानूनी रूप से मान्य नहीं था, क्योंकि इसके लिए उचित सरकारी अनुमोदन नहीं लिया गया था। पूर्व के शैक्षणिक कैलेंडर में 25 कार्यदिवस शनिवार का उल्लेख था।

उद्घाटन दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कुड्डालोर जिले के चिदम्बरम में मंगलवार को 'स्टालिन विद यू' परियोजना का शुभारंभ मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया और शिविर में कृषि-किसान कल्याण विभाग, चिकित्सा एवं लोक कल्याण विभाग, समाज कल्याण और महिला अधिकार विभाग जैसे विभिन्न विभागों द्वारा स्थापित प्रदर्शनी हॉल का दौरा किया और सरकारी योजनाओं के बारे में बताया।

अशोक लेलैंड ने वाहन वित्तपोषण के लिए तमिलनाडु ग्राम बैंक के साथ की साझेदारी

चेन्नई/नई दिल्ली। वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता कंपनी अशोक लेलैंड ने मंगलवार को कहा कि उसने वाहन वित्तपोषण और समूचे तमिलनाडु में ग्राहकों के लिए ऋण विकल्प उपलब्ध कराने के लिए तमिलनाडु ग्राम बैंक के साथ साझेदारी की है। वाहन विनिर्माता ने बयान में कहा कि दोनों भागीदारों ने इसके लिए एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

अशोक लेलैंड के प्रमुख (हल्के वाणिज्यिक वाहन कारोबार) विप्लव शाह ने कहा, ''यह रणनीतिक सहयोग बाजार में अशोक लेलैंड की उपस्थिति को और मजबूत करेगा तथा हमारे नवीन, लागत-कुशल उत्पादों तक पहुंच को बढ़ाएगा।'' तमिलनाडु ग्राम बैंक की समूचे तमिलनाडु में 676 शाखाएं हैं। बयान में कहा गया कि यह समाज के विभिन्न वर्गों की जरूरतों को पूरा करने वाले वित्तीय उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। अशोक लेलैंड के साथ साझेदारी पर तमिलनाडु ग्राम बैंक के चेयरमैन मणि सुब्रमण्यन ने कहा, हमें विश्वास है कि यह सहयोग हमें अपनी पहुंच बढ़ाने और वाणिज्यिक वाहन खंड में व्यवसायों की वृद्धि का समर्थन करने के अनुरूप वित्तपोषण विकल्प प्रदान करने में सक्षम बनाएगा।''

केरल की नर्स के परिवार ने फांसी टलने पर राहत की सांस ली

तिरुवनंतपुरम। यमन के अधिकारियों द्वारा केरल की नर्स निमिषा प्रिया की फांसी टालने से उनके परिवार ने राहत की सांस ली है। प्रिया के पति ने सरकार और अन्य संगठनों के सामूहिक प्रयास पर संतोष व्यक्त किया है। उनके पति टॉमी थॉमस ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, फांसी टाल दी गई है। यह अच्छी खबर है। हम खुश और राहत महसूस कर रहे हैं। मुझे यकीन है कि उसकी फांसी रुकवाने और उसे सुरक्षित वापस लाने के प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने इस मुहिम में समर्थन के लिए सभी लोगों का धन्यवाद किया।

थॉमस ने बताया कि उनकी एक बेटी है जो बारहवीं कक्षा में पढ़ती है और उसे इन सब चीजों से दूर रखा गया है। केरल के पलक्कड़ जिले के कोल्लेंगोडे की रहने वाली प्रिया को जुलाई 2017 में यमन के एक नागरिक की हत्या का दोषी पाया गया था।

वर्ष 2020 में, यमन की अदालत ने प्रिया को मौत की सजा सुनाई और देश की सर्वोच्च न्यायिक परिषद ने नवंबर 2023 में उनकी अपील खारिज कर दी। प्रिया (38) वर्तमान में यमन की राजधानी सना की एक जेल में बंद है, जो ईरान समर्थित हूतियों के नियंत्रण में है।

एमडीएमके प्रमुख के कभी भरोसेमंद रहे सत्या ने कहा : गद्दार कहलाने से बेहतर है कि जहर पी लूं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कभी एमडीएमके प्रमुख वाइको के भरोसेमंद रहे लेकिन अब हाशिये पर किए जा चुके मल्लई सत्या ने कहा है कि उन्हें अपनी पार्टी के नेता पर बहुत भरोसा है, लेकिन उनके द्वारा 'गद्दार' कहे जाने के बजाय वह जहर पीना पसंद करेंगे।

उन्होंने दावा किया कि और किसी निष्ठावान कार्यकर्ता को इस तरह के 'निराधार आरोपों' से अपमानित नहीं किया जाए, (जितना उन्हें किया गया) तथा यह सार्वजनिक जीवन में वाइको के कद के अनुरूप नहीं है।

सत्या ने कहा, ''मैं एमडीएमके की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता की भावना के साथ उसके लिए काम करता रहा हूं। पार्टी में असामान्य घटनाक्रमों का कारण मैं नहीं हूं।'' उन्होंने वाइको पर जानबूझकर उनका राजनीतिक करियर खत्म करने का प्रयास करने का आरोप लगाया। सोमवार को अपनी 'चुप्पी तोड़ते हुए' शीर्षक से जारी किये गये कड़े शब्दों वाले एक बयान में उन्होंने कहा कि पार्टी नेता कोई और कारण बता सकते थे।

सत्या ने कहा, ''लेकिन अपने बेटे की खातिर मेरे ईमानदार राजनीतिक जीवन की बलि देना और इसे ''विश्वासघात'' कहना - आपके ये शब्द मुझे बहुत आहत करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''वह (वाइको) मुझसे कुछ और कह सकते थे या मुझे जहर की बोतल लेकर मर जाने को कह सकते थे। मैं मर जाता। इसके बजाय, उन्होंने ऐसी टिप्पणी की, जिसने मुझे गहरा घाव दिया है।''

वाइको ने 10 जुलाई को पार्टी के उप महासचिव मल्लई सी ई सत्या पर दो साल से पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने का आरोप लगाया था। वाइको ने यहां हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से कहा था, उनके (सत्या के) उन लोगों से घनिष्ठ संबंध हैं जो पार्टी छोड़कर चले गये हैं और मेरी आलोचना करते हैं। चार लोग सोशल मीडिया पर मेरे खिलाफ पोस्ट कर रहे हैं और वे विदेश में रह रहे हैं। मल्लई सत्या उन्हें सामग्री उपलब्ध कराते हैं। तीन दशकों तक वाइको के साथ रहे सत्या ने कहा कि उन्हें इस बात से बहुत दुख हुआ कि उन पर वाइको के साथ वैसा ही विश्वासघात करने का आरोप लगाया गया जैसा मथैया ने लिट्टे नेता प्रभाकरण के साथ किया था। उन्होंने कहा कि उनके राजनीतिक मतभेदों को विश्वासघात बताना अनुचित है।

अज्ञात बदमाशों ने करुणानिधि की प्रतिमा को विरूपित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सेलम। तमिलनाडु में कुछ अज्ञात बदमाशों ने मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत एम. करुणानिधि की प्रतिमा पर काला रंग फेंककर उसे विरूपित कर दिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। अन्ना पार्क के प्रवेश द्वार पर स्थापित 16 फुट ऊंची इस प्रतिमा का अनावरण मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने 11 जून 2023 को किया था।

पुलिस के मुताबिक, ऐसी आशंका है कि बदमाशों ने मंगलवार सुबह द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के पूर्व अध्यक्ष की प्रतिमा पर काला रंग फेंका होगा। उसने कहा कि घटना की जांच की जा रही है। इस बीच, राज्य के पर्यटन मंत्री आर राजेंद्रन ने अन्ना पार्क का दौरा किया और प्रतिमा को साफ किए जाने से जुड़े काम का जायजा लिया। उन्होंने पुलिस से दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का आग्रह किया। मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) प्रमुख वाइको ने इस कृत्य को दिग्गज नेता का 'अपमान' करार देते हुए कहा कि असामाजिक तत्वों का करुणानिधि की प्रतिमा को विरूपित करना बेहद निंदनीय है। वाइको ने पुलिस से तमिलनाडु की राजनीतिक संस्कृति को नष्ट करने और राज्य में शांति भंग करने की कोशिश कर रही ताकतों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने का आग्रह किया।

केरल के राज्यपाल 'भारत माता' के भगवा झंडे वाले चित्र को 'मान्यता' दिलाने की कोशिश कर रहे : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम। केरल की उच्च शिक्षा मंत्री आर बिंदु ने मंगलवार को राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर पर आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) के कार्यक्रमों में आमतौर पर दिखाई देने वाले 'भारत माता' के चित्र को 'मान्यता' दिलाने के लिए अपने संवैधानिक पद का दुरुपयोग करने और राज्य में 'जानबूझकर गैर-जरूरी विवाद' पैदा करने का आरोप लगाया। बिंदु ने केरल विश्वविद्यालय के कुलपति (वीसी) मोहनन कुन्नुममल पर भी निशाना साधा, जिन्हें आर्लेकर ने राज्य विश्वविद्यालयों के कुलाधिपति के रूप में अपनी शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए इस पद (कुलपति) पर नियुक्त किया था। उन्होंने कुन्नुममल पर मनमाने और निरंकुश' फैसले लेने और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने में कोई दिलचस्पी न रखने का आरोप लगाया। 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में बिंदु ने कहा कि राजभवन में 'भारत माता' के चित्र वाला भगवा झंडा लगाना राज्यपाल का 'गलत निर्णय' है।

राज्यपाल की ओर से इस्तेमाल किए जाने वाले 'भारत माता' के उक्त चित्र को लेकर केरल की वामपंथी सरकार और राजभवन आमने-सामने हैं। बिंदु ने कहा कि 'परिपक्व व्यक्तियों' को ऐसी स्थितियों से बचने की कोशिश करनी चाहिए, जो 'गैर-जरूरी विवाद' पैदा कर सकती हैं। उन्होंने दावा किया, संवैधानिक पद पर काबिज राज्यपाल का राजभवन में उक्त चित्र लगाना, उसे मान्यता दिलाने की कोशिश करने जैसा है। यह अपने आप में गलत है। फिर इसे एक विश्वविद्यालय में लाने की कोशिश भी सही नहीं थी।

मंत्री ने कहा, ''क्या यह बेहतर नहीं होगा कि राज्यपाल की उपस्थिति वाले कार्यक्रमों में ऐसे प्रतीक चिह्नों या चित्रों के इस्तेमाल से बचा जाए, क्योंकि वह एक संवैधानिक पद पर हैं? एक तरह से कहें तो यह अनावश्यक विवाद पैदा करने के लिए जानबूझकर उठाया गया कदम था। परिपक्व व्यक्तियों को ऐसी स्थिति पैदा करने से बचना चाहिए।'' वह केरल विश्वविद्यालय सीनेट हॉल में एक धार्मिक संगठन की ओर से आयोजित निजी कार्यक्रम का जिक्र कर रही थीं, जिसमें राज्यपाल ने भी हिस्सा लिया था। इस कार्यक्रम में भगवा झंडा थामे 'भारत माता' का चित्र प्रदर्शित किया गया था। बिंदु ने कहा कि रजिस्ट्रार केएस अनिल कुमार ने इस चिंता के चलते कार्यक्रम रद्द करने का आदेश दिया था कि उक्त चित्र के प्रदर्शन से विश्वविद्यालय परिसर में गैर-जरूरी विवाद या आंदोलन हो सकता है।

उन्होंने आरोप लगाया, ''हालांकि, उन्हें (रजिस्ट्रार को) उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना ही निलंबित कर दिया गया। उनके खिलाफ कार्रवाई करने से पहले न तो उन्हें 'कारण बताओ नोटिस' जारी किया गया और न ही उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया।'' बिंदु ने दावा किया, कुलपति को उन्हें (रजिस्ट्रार को) निलंबित करने का कोई अधिकार नहीं है, क्योंकि विश्वविद्यालय अधिनियम और नियमों के अनुसार, सिंडिकेट ही रजिस्ट्रार की नियुक्ति करने के लिए जिम्मेदार प्राधिकारी है। उन्होंने कहा कि कुलपति विश्वविद्यालयों में ''भगवाकरण एजेंडा'' को लागू करने के कथित प्रयासों के तहत संभवतः राज्यपाल के निर्देश पर काम कर रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि विश्वविद्यालय परिसर में ऑल इंडिया स्टूडेंट्स फेडरेशन (एआईएसएफ), स्टूडेंट्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसएफआई) और डेमोक्रेटिक यूथ फेडरेशन ऑफ इंडिया (डीवाईएफआई) जैसे वामपंथी छात्र एवं युवा संगठनों का विरोध-प्रदर्शन रजिस्ट्रार को निलंबित करने के कुलपति के ''मनमाने'' फैसले का नतीजा था। उन्होंने कहा, ''ये सारे विरोध-प्रदर्शन इसी का नतीजा हैं। इन सब से बचा जा सकता था।'' बिंदु ने कहा कि जब सिंडिकेट ने रजिस्ट्रार का निलंबन रद्द कर दिया, तो कुलपति ने उसकी अनदेखी की और अनिल कुमार की जगह दूसरे रजिस्ट्रार की नियुक्ति कर दी। उन्होंने कुलपति के कदम को ''अवैध'' बताते हुए कहा कि केरल विश्वविद्यालय अधिनियम 1974 के तहत केवल सिंडिकेट को ही रजिस्ट्रार की नियुक्ति का अधिकार है।

बिंदु ने आरोप लगाया, ''कुलपति ही मनमाने और निरंकुश फैसले ले रहे हैं। वह बाहुबल का इस्तेमाल कर रहे हैं। सच्चाई यह है कि उन्हें विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने में कोई दिलचस्पी नहीं है।'' मंत्री की यह टिप्पणी कुन्नुममल के इन आरोपों के संदर्भ में थीं कि वामपंथियों के दबदबे वाले सिंडिकेट और सत्तारूढ़ मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के छात्र एवं युवा संगठनों ने उन्हें विश्वविद्यालय परिसर में कदम रखने पर उन पर हमला करने की 'धमकी' दी है। कुन्नुममल ने यह भी आरोप लगाया था कि केरल विश्वविद्यालय में कानून-व्यवस्था की स्थिति चरमरा गई है और ''गुंडे बाहुबल'' का इस्तेमाल करके इसे नियंत्रित करने की कोशिश कर रहे हैं। कुलपति के आरोपों को खारिज करते हुए बिंदु ने कहा कि पुलिस उनकी सुरक्षा के लिए मौजूद थी और परिसर में कानून-व्यवस्था की कोई समस्या नहीं थी।

उन्होंने तर्क दिया, ''हम सभी को धमकियों का सामना करना पड़ता है। इसका मतलब यह नहीं कि हम अपना कर्तव्य निभाना बंद कर दें। पुलिस मौजूद है। विश्वविद्यालय परिसरों में विरोध-प्रदर्शन कोई नई बात नहीं है। अब यह कम हो गया है। जब हम छात्र थे, तब लगभग हर दिन विरोध-प्रदर्शन होते थे।'' बिंदु ने कहा कि कुलपति की कार्रवाई के खिलाफ एक पत्र तैयार किया जा रहा है और इसे जल्द ही राज्यपाल को सौंपा जाएगा। उन्होंने कुन्नुममल के इस दावे को भी खारिज कर दिया कि माकपा के राज्य सचिव एमवी गोविंदन ने विरोध-प्रदर्शनों का समर्थन किया था, जिससे आंदोलन ने ''अराजक'' रूप अख्तियार कर लिया।

मंत्री ने कहा कि वामपंथी छात्र संगठनों को राज्य में काफी समर्थन हासिल है और उन्हें विरोध-प्रदर्शन करने के लिए माकपा के राज्य सचिव के समर्थन की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा, ''इसलिए उन्हें (गोविंदन) इस मुद्दे में घसीटने की कोई जरूरत नहीं है।''

बेंगलूरु पुलिस ने एक करोड़ रुपये फिरौती मांगने की साजिश नाकाम की, चार लोग गिरफ्तार

बेंगलूरु। बेंगलूरु पुलिस ने मंगलवार को दावा किया कि उसने एक त्वरित कार्रवाई करते हुए शहर के एक व्यवसायी के बेटे के अपहरण की धमकी देकर उससे एक करोड़ रुपये वसूलने की कथित साजिश विफल कर दी। पुलिस के अनुसार, मुख्य साजिशकर्ता एक स्थानीय व्यापारी है, जिसका पीड़ित के साथ कथित रूप से आर्थिक विवाद था और उसने दिल्ली के तीन लोगों को पैसे देकर साजिश के लिए तैयार किया था। आरोपी उत्तर भारत के एक कुख्यात गिरोह के नाम पर उसे फोन कर फिरौती के लिए धमकी देने वाले थे। इस मामले में उत्तर प्रदेश के मेरठ निवासी मुख्य साजिशकर्ता और उसके तीन साथियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

पीड़ित द्वारा नौ जुलाई को पुलिस में दर्ज करवाई गई शिकायत के अनुसार, उसे एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन पर धमकी देते हुए कहा कि अगर उसने एक करोड़ रुपये नहीं दिए तो उसके बेटे का अपहरण कर लिया जाएगा। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज किया गया और जांच के लिए 'सेंट्रल डिवीजन' और 'सेंट्रल क्राइम ब्रांच' (सीसीबी) के अधिकारियों की अलग-अलग टीम गठित की गईं। पुलिस ने बताया कि जांच में एक व्यक्ति की संलिप्तता सामने आई, जो बेंगलूरु में जे. सी. रोड पर 'कार साउंड एसेसरीज' का कारोबार करता था। उसे 12 जुलाई को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया। पूछताछ के दौरान उसने इस मामले में संलिप्तता स्वीकार की व आरोप लगाया कि शिकायतकर्ता ने उसके साथ एक व्यापारिक सौदे में धोखाधड़ी की थी, जिसके बाद शिकायतकर्ता से रुपये वसूलने के इरादे से उसने एक साजिश रची, जिसे अंजाम देने के लिए उत्तर प्रदेश के तीन लोगों को रखा।

पुलिस ने बताया कि आरोपी ने भाड़े के गुर्गों से कहा था कि वे उत्तर भारत के 'कुख्यात' विश्नोई गैंगस्टर के सदस्य बनकर शिकायतकर्ता को धमकाएं। दिल्ली की स्थानीय पुलिस की मदद से बेंगलूरु पुलिस ने तीनों आरोपियों को राष्ट्रीय राजधानी से गिरफ्तार कर लिया। बेंगलूरु पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने बताया कि टीम ने 48 घंटे के भीतर मामले का खुलासा कर दिया और आरोपी तथा अपहरण के लिए भाड़े पर लिये गए तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई के कारण अपराध को अंजाम नहीं दिया जा सका।

भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति, कानून से ऊपर कोई नहीं : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचार एक ऐसी बुराई है जो योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने से रोकती है और समाज में असमानता बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम करते हुए भ्रष्टाचार मुक्त राजस्थान के संकल्प पर मजबूती से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कोई व्यक्ति चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून से ऊपर नहीं है। पुलिस बिना किसी के दबाव में आए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करे। उन्होंने कहा कि वे प्रदेश की 8 करोड़ जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने तथा उनकी सभी समस्याओं के समाधान के लिए हर समय उपलब्ध हैं।

शर्मा मंगलवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के 68वें स्थापना दिवस समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ निरंतर अंतिम छोर तक पहुंचाने के लिए भ्रष्टाचार मुक्त प्रशासन आवश्यक है। ऐसे में एसीबी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचारियों को मौके पर ही रंगे हाथों पकड़ने, गबन, आय से अधिक संपत्ति और पद के दुरुपयोग आदि के मामलों को उजागर करने जैसे सभी क्षेत्रों में एसीबी ने अपनी दक्षता और प्रतिबद्धता का परिचय दिया है। अपने ही एक अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार करना यह साबित करता है कि एसीबी जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ करने के लिए भी निरंतर प्रयासरत है। हमने एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स का गठन किया। पुलिस में 10 हजार पदों पर भर्ती, नए 8 जिलों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कार्यालयों की स्वीकृति, 3 महिला पुलिस बटालियनों की स्थापना जैसे निर्णय सरकार द्वारा लिए गए हैं। साथ ही, पुलिस के रेस्पोन्स टाइम को बेहतर करने के लिए 22 इंटरसेप्टर, 750 मोटर साइकिल तथा पुलिस मोबाइल यूनिट को 500 पुलिस मोबाइल यूनिट वाहन उपलब्ध कराकर 500 कालिका पेट्रोलिंग टीम का गठन भी किया है।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने पुलिस कर्मियों के कल्याण के लिए अनेक कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हमने पुलिस आधुनिकीकरण व संबंधित आधारभूत संरचना के लिए पुलिस मॉडर्नाइजेशन एंड इंफ्रास्ट्रक्चर फंड का गठन, सरदार पटेल सेंटर फोर साइबर कंट्रोल रूम की स्थापना, पुलिस दूरसंचार प्रशिक्षण केंद्र को राजस्थान पुलिस तकनीकी प्रशिक्षण अकादमी के रूप में क्रमोन्नत करने जैसे कार्य किए हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग में वर्दी भत्ते व मैस भत्ते में बढ़ोतरी, राजस्थान रोडवेज की एक्सप्रेस व सेमी डीलक्स बसों में निशुल्क यात्रा, लांगरी पदों का सृजन तथा उनके मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि जैसे निर्णय लेकर विभाग को सक्षम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त सुशासन देने के लिए राज्य सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। पिछले डेढ़ वर्ष के दौरान हमारी सरकार ने भ्रष्ट कार्मिकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए के तहत हमने पूर्व अनुमोदन प्रदान करने की प्रक्रिया तेज की है। हाल ही में राज्य सेवा के अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई, अभियोजन स्वीकृति एवं 17-ए के विचाराधीन प्रकरणों का त्वरित निस्तारण किया है। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार और अनाधिकृत अनुपस्थिति के गंभीर मामलों में सेवारत अधिकारियों को सेवा से बर्खास्त करने जैसे कठोर निर्णय भी लिए गए हैं। भ्रष्ट सरकारी कर्मियों के विरुद्ध एसीबी के प्रकरणों में त्वरित एवं कठोर कार्यवाही के साथ साथ उनकी पेंशन रोकने जैसी विभागीय कार्यवाही भी प्रभावी रूप से की जा रही है।

शर्मा ने कहा कि रिश्वत लेना अपराध है और इस अपराध को रोकने की हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि अगर कहीं भी भ्रष्टाचार होता दिखे, तो बिना किसी डर के सूचित करें। जनता की भागीदारी ही इस लड़ाई को और मजबूत बनाएगी। कार्यक्रम में मुख्य सचिव सुधांश पंत ने कहा कि मुख्यमंत्री की मंशानुसार शासन-प्रशासन में पारदर्शिता एवं शुचिता के लिए अनेक कदम उठाए गए हैं। राज्य सरकार ने सुशासन स्थापित करने के लिए तकनीक के अधिक से अधिक उपयोग पर जोर दिया है।

ई-फाइलिंग, नियम व प्रक्रियाओं का सरलीकरण, आउटरीच प्रोग्राम जैसे नवाचारों से सिस्टम में जवाबदेहिता को बढ़ावा मिला है। पुलिस महानिदेशक राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करने में राजस्थान देश में दूसरे स्थान पर है। मुख्यमंत्री ने पुलिस को बिना दबाव के कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं, जिससे कानून व्यवस्था सुदृढ़ हुई है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा प्रकाशित पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर अतिरिक्त मुख्य सचिव गृह भास्कर ए. सावंत, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक भ्रष्टाचार निदेशक ब्यूरो श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव सहित पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

ऊर्जा मंत्री नागर का दो लाख रुपये से अधिक का बिजली बिल बकाया : बेनीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नागौर से सांसद हनुमान बेनीवाल ने आरोप लगाया है कि राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर पर सरकार का दो लाख रुपये से ज़्यादा का बिजली बिल बकाया है जिसका भुगतान न करने पर उनके घर और पार्टी कार्यालय की बिजली काट दी गई। उन्होंने नागर पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए यह भी कहा कि स्मार्ट मीटर लगाने के ठेकों में रिश्वतखोरी की भरमार है जो मंत्री और अन्य लोगों तक पहुंच रही थी। बेनीवाल के आरोपों को लेकर मंत्री की टिप्पणी नहीं ली जा सकी। राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी (आरएलपी) के नेता बेनीवाल ने पत्रकारों के साथ कुछ कतिपय दस्तावेज साझा किए जिनको लेकर उन्होंने दावा किया कि ये मंत्री के अस्पताल रोड स्थित सरकारी आवास का 2.17 लाख रुपये का बिजली बिल बकाया होने के सबूत हैं। उन्होंने पूछा कि क्या उस बिजली कनेक्शन को भी काटा जाएगा?

बेनीवाल ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सवाल किया, सरकार ने मुझे आवंटित सरकारी आवास के बारे में नोटिस भेजे और नागौर स्थित मेरे सांसद कार्यालय की बिजली काट दी। क्या अब आप ऊर्जा मंत्री का बिजली कनेक्शन भी काटेंगे? उन्होंने आगे दावा किया कि नागर के ज्योति नगर स्थित फ्लैटों के बकाया बिजली बिलों का भुगतान सरकारी खातों से किया गया, जबकि अस्पताल रोड स्थित बंगले के बिल का भुगतान सरकारी खजाने से करने का प्रयास अस्वीकार कर दिया गया। बेनीवाल ने दावा किया, राजकोष ने कहा कि सरकार एक मंत्री के लिए केवल एक ही बिल का भुगतान करती है। सांसद ने खींवसर से विधायक रेवंत राम डांगा पर भी निशाना साधा और उनके नाम पर बकाया बिल दिखाते हुए आरोप लगाया कि कनेक्शन काटने के नियमों का उल्लंघन करके बिजली कनेक्शन दिए गए। उन्होंने डांगा पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में अनियमितताओं और अवैध खनन में संलिप्तता का भी आरोप लगाया।

सब-इंस्पेक्टर भर्ती विवाद का ज़िक्र करते हुए बेनीवाल ने भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार पर दोहरे मानदंड अपनाने का आरोप लगाया और दावा किया कि न्यायपालिका ने अदालत में उसके विरोधाभासी रुख के लिए प्रशासन को पंगु कहा है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नागौर के पुलिस अधीक्षक और पूर्व सांसद ज्योति मिर्धा क्षेत्र में अवैध बजरी खनन में संलिप्त हैं।

जयपुर में भारी बारिश के बाद रेलवे स्टेशन के पास और मेट्रो लाइन के नीचे सीवर लाइन धंसने का दृश्य।

जयपुर में वर्षा दौर जारी, जिला कलक्टर ने शहर में विभिन्न जगहों पर लिया जायजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में राजधानी जयपुर सहित अन्य कई स्थानों पर सोमवार से रुक रुक बरसात का दौर जारी हैं और इस कारण जयपुर शहर में सड़कों एवं निचले इलाकों में पानी भर गया तथा जिला कलक्टर जितेन्द्र कुमार सोनी ने मंगलवार सुबह विभिन्न जगहों पर हालात का जायजा लिया। सोनी ने जयपुर शहर के दोनों नगर निगम जयपुर ग्रेटर एवं हैरिटेज के आयुक्तों के साथ हवाई अड्डे क्षेत्र, रामलीला मैदान, जवाहर नगर कच्ची बस्ती, ब्रहमपुरी नाला, चांदी की टकसाल सहित कई क्षेत्रों का दौरा करके जलभराव से उत्पन्न स्थिति का जायजा लिया।

जायजा लेने के बाद सोनी ने बताया कि शहर में एक दो स्थानों को छोड़कर शेष स्थानों पर कोई परेशानी वाली बात नहीं हैं। उन्होंने बताया कि ब्रहमपुरी नाले पर इस समय कुछ काम करने की जरुरत हैं और प्रशासन, आपदा राहत एवं बचाव दल की टीमे और कंट्रोल रुम काम कर रहे हैं ताकि इस समय किसी प्रकार की जनहानि को रोका जा सके।

सोनी ने प्रशासनिक अधिकारियों को जल भराव क्षेत्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए हैं और सोमवार रात को भी उपखण्ड अधिकारी जयपुर प्रथम राजेश जाखड़ ने दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने मुरलीपुरा एवं वीकेआई स्थित नियंत्रण कक्ष में व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पिछले चौबीस घंटों से बरसात का दौर रुक रुक के जारी रहने से शहर के नीचले और सडकों पर जगह जगह जलभराव के कारण शहर में जगह जगह यातायात जाम की स्थिति बनी रही जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

जयपुर के अलावा भी राज्य के अधिकांश स्थानों पर मेघगर्जन एवं वज्रपात के साथ हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई एवं राज्य में कहीं कहीं पर भारी से अति भारी वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार पिछले चौबीस घंटों में भीलवाड़ा जिले के बिजोलिया में सर्वाधिक 183 मिलीमीटर वर्षा रिकॉर्ड की गई। इसी तरह चित्तौड़गढ के भैसरोड़गढ में 170, नागौर जिले के मकराना में 140 एवं डेगाना में 120, टोंक के निवाई में 130, कोटा के मंडाना में 120, जयपुर के सांभर में 100 एवं नारायणा एवं राजसमंद में 90-90 मिलीमीटर बारिश हुई। इसी तरह राज्य के अन्य कई स्थानों पर अच्छी बरसात हुई और वर्षा का दौर जारी है।

राजस्थान में सवाईमाधोपुर जिले के बनास नदी में पानी की आवक बढ़ने से मंगलवार को चौथ का बरवाड़ा से वाया शिवाड़ होकर जयपुर जाने वाले सभी मार्गों को बंद कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चौथ का बरवाड़ा से वाया शिवाड़ मार्ग पर डिडायच और ऐचेर गांव की रपट पर मंगलवार सुबह एक से डेढ़ फीट पानी आ गया है। इसके चलते इस मार्ग पर यातायात रोक दिया गया है। प्रशासनिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अभी जलस्तर और बढ़ने की संभावना है।

इंदौर वेस्ट मैनेजमेंट, मॉडल बेस्ट : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने मध्यप्रदेश यात्रा में इंदौर प्रवास के दौरान नगर निगम इंदौर द्वारा संचालित अत्याधुनिक वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट का अवलोकन किया। देवनानी ने इस प्लांट की कार्यप्रणाली और तकनीक की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि इंदौर का वेस्ट मैनेजमेंट मॉडल बेस्ट है। इंदौर नगर निगम एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों द्वारा कचरा निस्तारण, रिसाइकलिंग प्रक्रियाओं एवं स्वच्छता मॉडल के विभिन्न पहलुओं के बारे में देवनानी को जानकारी दी। देवनानी ने कहा कि इंदौर नगर निगम द्वारा विकसित यह वेस्ट मैनेजमेंट प्रणाली देशभर के लिए प्रेरणास्त्रोत है। यह न केवल कचरे के वैज्ञानिक प्रबंधन का उदाहरण प्रस्तुत करती है, बल्कि नगरीय जीवन को स्वस्थ, स्वच्छ और पर्यावरण हितैषी बनाने की दिशा में एक सशक्त पहल है। देवनानी ने कहा कि अजमेर नगर निगम सहित राज्य के विभिन्न शहरों में इसी मॉडल पर आधारित अत्याधुनिक वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट की स्थापना हेतु प्रयास किए जाएंगे। इसके लिए देवनानी राज्य सरकार से चर्चा करेंगे ताकि स्वच्छ राजस्थान का लक्ष्य प्रभावी रूप से साकार किया जा सके।

देवनानी ने कहा कि हमारी प्राथमिकता है कि नगरीय स्वच्छता में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करते हुए पर्यावरण के अनुकूल और सतत समाधान अपनाए जाएं। इसके माध्यम से न केवल स्वच्छता, बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण को भी सुदृढ़ किया जा सकेगा। स्वच्छता मिशन की दिशा में कचरे निस्तारण की प्रक्रिया निर्णायक पहल है, जो राजस्थान के विभिन्न शहरों के लिए लाभदायक हो सकती है।

देवनानी ने कहा कि कचरा निस्तारण एक गंभीर समस्या हैं। कचरे का निस्तारण भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में एक चुनौती बनी हुई है। अत्यधिक कचरा जमा होने से पर्यावरण प्रदूषण और बीमारियां होती है। खासकर प्लास्टिक कचरा वायु, जल और मिट्टी को प्रदूषित करता है। उन्होंने कहा कि कचरा निस्तारण वाकई एक जटिल समस्या है. लेकिन सही प्रयासों और आधुनिकतम तकनीक की विभिन्न पद्धतियों से समस्या का हल संभव है। देवनानी ने कहा कि कचरा निस्तारण की समस्या का समाधान आधुनिकतम तकनीक से होगा लेकिन इसके लिए लोगों की जन-जागरूकता, उनकी सामूहिक भागीदारी के साथ सख्त निगरानी भी आवश्यक है। इससे समस्या कभी विकराल रूप नहीं ले सकेगी। उन्होंने कहा कि इस समस्या के निराकरण के लिए लोगों की इच्छा शक्ति और प्रशासनिक प्रतिबद्धता महत्वपूर्ण पहलू है।

सवा क्विंटल डोडा चूरा के साथ आरोपी गिरफ्तार

चित्तौड़गढ़। राजस्थान में चित्तौड़गढ़ जिले के भदेसर थाना क्षेत्र में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने एक कार में एक क्विंटल से अधिक डोडा चूरा बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। ब्यूरो सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि आरोपी अशोक पारलिया के बारे में लम्बे समय से अफीम एवं डोडा चूरा तस्करी करने की सूचनाएं मिल रही थी। वर्ष 2020 में एक कार्रवाई के बाद से ब्यूरो इस पर नजर रख रहा था। सोमवार को अशोक पारलिया के एक जगह से डोडा चूरा एकत्र करके ले जाने की पुख्ता सूचना मिलने पर ब्यूरो के दल ने नरबदिया गांव के पास आरोपी अशोक पारलिया की कार को रोका और उसकी तलाशी ली । कार में एक क्विंटल 21 किलो अवैध डोडा चूरा बरामद हुआ। सूत्रों ने बताया कि आवश्यक कार्रवाई के बाद ब्यूरो का दल अशोक पारलिया को अपने साथ इंदौर ले गया जहां बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

केंद्रीय मंत्री वर्मा ने सिरोही जिले में विकास कार्यों का निरीक्षण किया

जयपुर। केंद्रीय इस्पात एवं भारी उद्योग राज्य मंत्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा ने सिरोही जिले में विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति और कार्यों का सोमवार को निरीक्षण किया। आधिकारिक बयान के अनुसार, वर्मा ने राजपुरा गांव में जल जीवन मिशन (जेजेएम) के तहत किये गए कार्यों का निरीक्षण किया। इसमें बताया गया कि ग्रामीणों की शिकायत पर मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत कराने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने खराब गुणवत्ता का कार्य करने पर ठेकेदारों पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

देवनानी ने नर्मदा के तट पर की पूजा अर्चना

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी मध्यप्रदेश यात्रा के दौरान उज्जैन पहुँचे। देवनानी ने उज्जैन में महाकाल मंदिर में दर्शन कर पूजा-अर्चना की। देवनानी ने प्रदेश की समृद्धि व खुशहाली की कामना की। देवनानी ने कहा कि शिव शाश्वत चेतना के प्रतीक है। उन्होंने भगवान महाकाल को कोटि-कोटि नमन करते हुए देश-प्रदेश में सुख, शांति, समृद्धि की प्रार्थना की। देवनानी ने नर्मदा तट पर और ओंकारेश्वर महादेव ज्योर्तिलिंग मंदिर में श्रावण मास पर्व पर पूजा अर्चना कर देश व प्रदेश की खुशहाली की कामना की। देवनानी ने काल भैरव मंदिर में भी दर्शन कर पूजा की। इस मौके पर विधान सभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा भी मौजूद थे।

पंचायतीराज मंत्री ने प्रत्येक अधिकारी कर्मचारी को 15-15 पौधे प्रतिदिन लगाने का किया आह्वान

जयपुर/दक्षिण भारत। पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर की अध्यक्षता में मंगलवार को शासन सचिवालय स्थित पंचायती राज भवन के सभागार में विभागीय योजनाओं और लंबित प्रकरणों की क्रियान्विति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने विभागीय योजनाओं की प्रगति की बारीकी से समीक्षा की। उन्होंने अपने कार्यालय से प्राप्त एक-एक प्रकरणों पर चर्चा की और निस्तारण होने में आ रही समस्याओं की जानकारी लेते हुए समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मात्र पत्र लिख देना पर्याप्त नहीं है, उसकी नियमित मॉनिटरिंग करें और निस्तारण होने पर संबंधित को सूचित भी करें। पंचायतीराज मंत्री ने हरियालो राजस्थान अभियान 2.0 के तहत प्रत्येक अधिकारी कर्मचारी को 15-15 पौधे प्रतिदिन लगाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अधिकारी कर्मचारी पौधे लगाएं और उसकी जिओ टेगिंग करें। उन्होंने कहा कि पौधे लगाये, बीजारोपण करे या कलम लगाए, लेकिन राज्य को हरियाला बनाना है। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में आगे बढ़ते हुए अधिकारियों को 2 अक्टूबर से गांवों को पॉलीथीन मुक्त बनाने के अभियान शुरू करने निर्देश दिये। पंचायतीराज मंत्री ने कहा कि बिना फील्ड विजिट के वास्तविक मूल्यांकन संभव नहीं है। उन्होंने मुख्यालय के अधिकारियों और पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि वे माह में न्यूनतम 2 दिन ग्राम पंचायतों में अनिवार्य रूप से ठहरें, ताकि योजनाओं की जमीनी हकीकत समझी जा सके और गांवों के समग्र विकास के लिए आवश्यक कदम उठाए जा सकें।

दिलावर ने स्वच्छ भारत मिशन, अन्नपूर्णा रसोई तथा विमुक्त, घुमंतू एवं अर्ध घुमन्तु समुदायों के परिवारों को पट्टा वितरण की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य 25 हजार पट्टे वितरण करने का है। उन्होंने बर्तन बैंक योजना की सफलता पर खुशी जाहिर करते हुए कहा कि शहरों में भी बर्तन बैंक खोले जाने पर विचार करें और इसके लिए संबंधित विभाग से समन्वय करें।

गहलोत ने अनियमित और अव्यवस्थित ढंग से बना दिए थे वार्ड व पंचायतें : मदन राठौड़

जयपुर/दक्षिण भारत। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और कांग्रेस नेताओं द्वारा की जा रही बयानबाजी पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जो पाप किए थे, उन पापों को धोने में समय लग रहा है। गहलोत सरकार ने अनियमित और अव्यवस्थित ढंग से वार्ड और पंचायतों का गठन किया, कोई वार्ड 250 मतदाताओं का तो कोई 8000 मतदाताओं का बना दिया गया। अब भाजपा सरकार इन सभी गलतियों को सुधार कर व्यवस्थापन का कार्य कर रही है, जिससे सभी को समान अवसर मिल सके। किसी के व्यक्तिगत लाभ के लिए वार्ड या पंचायतों का गठन नहीं होना चाहिए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कांग्रेस की आलोचनात्मक प्रवृत्ति पर भी प्रहार किया और कहा कि कांग्रेस को केवल छिद्रान्वेषण और आलोचना की आदत हो गई है। वो हर समय नकारात्मक सोच के साथ रहते हैं। उन्हें अब सकारात्मक पहल करनी चाहिए। भाजपा की सरकार पंचायत और निकाय चुनावों में पारदर्शिता और समानता सुनिश्चित करने के लिए कार्य कर रही है। विधानसभा उपचुनाव और निकाय उपचुनावों के परिणामों का हवाला देते हुए मदन राठौड़ ने कहा, 36 में से 29 सीटें भाजपा ने जीती हैं, इसके बावजूद कांग्रेस खुद को विजयी बता रही है तो यह कांग्रेसियों के लिए चिंतन का विषय है।

'त्रिपुरा के सरकारी विद्यालयों में 1,615 शिक्षकों की नियुक्ति की जाएगी'

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा सरकार राज्य के सरकारी विद्यालयों में शैक्षणिक कर्मचारियों की कमी को दूर करने के लिए 1,615 स्नातक और स्नातकोत्तर शिक्षकों की भर्ती करेगी। एक मंत्री ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्री ने बताया कि नई भर्तियों में से 915 शिक्षक 11वीं एवं 12वीं के लिए होंगे और वे स्नातकोत्तर होंगे। पर्यटन मंत्री सुशांत चौधरी ने कहा, मंत्रिपरिषद ने आज अपनी बैठक में शैक्षणिक कर्मचारियों की कमी को दूर करने के लिए 915 स्नातकोत्तर शिक्षकों और 700 स्नातक शिक्षकों को (नौवीं और 10वीं कक्षा के लिए) भर्ती करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। त्रिपुरा शिक्षक भर्ती बोर्ड स्नातकोत्तर शिक्षकों की नियुक्ति करेगा और 700 स्नातक शिक्षकों को माध्यमिक शिक्षा विभाग की मौजूदा भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से नियुक्त किया जाएगा।

कुशल युवा ही आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि कुशल युवा ही आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत हैं और ''डबल इंजन'' सरकार युवाओं को रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है।

यहां जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, योगी ने विश्व युवा कौशल दिवस के अवसर पर लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित दो दिवसीय कौशल मेले और प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के 75 जनपदों के कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे युवाओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। योगी ने इस अवसर पर अपने संविधान में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डिजिटल कौशल के माध्यम से युवा सशक्तीकरण पर जोर देते हुए कहा, कुशल युवा ही आत्मनिर्भर भारत की असली ताकत हैं। उन्होंने कहा, डबल इंजन (केंद्र और राज्य) सरकार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए कटिबद्ध है।

योगी ने प्रदेश के युवाओं को विश्व युवा कौशल दिवस की बधाई दी। उन्होंने कहा कि युवाओं को उनकी प्रतिभा के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराने के लिए सरकार निरंतर प्रयासरत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले आठ वर्षों में परंपरागत उद्यमों को पुनर्जीवित किया है तथा दो करोड़ युवाओं को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने के लिए स्मार्टफोन और टैबलेट उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिनमें से 50 लाख युवा अब तक लाभान्वित हो चुके हैं।

योगी ने उत्तर प्रदेश में निवेश के क्षेत्र में हुई प्रगति का भी जिक्र करते हुए कहा कि पिछले आठ वर्षों में कानून-व्यवस्था में सुधार और सरकार की सकारात्मक नीति के कारण 15 लाख करोड़ रुपए से अधिक के निवेश प्रस्ताव धरातल पर उतर चुके हैं। उन्होंने कहा कि ये निवेश लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित कर रहे हैं।

शुभांशु शुक्ला ने भारत की आकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि शुभांशु शुक्ला ने न केवल अंतरिक्ष को छुआ है, बल्कि ''भारत की आकांक्षाओं को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।''

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर जाने वाले पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला 20 दिनों की अंतरिक्ष यात्रा के बाद पृथ्वी पर लौट आए हैं। लखनऊ से लोकसभा सदस्य सिंह ने शुक्ला के पिता से फोन पर बात करके उन्हें शुभकामनाएं दीं और कहा कि देश को उनके बेटे की उपलब्धियों पर गर्व है। कैमरों की ओर देखकर मुस्कुराते हुए और हाथ हिलाते हुए शुक्ला और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री मंगलवार को ड्रैगन ग्रेस अंतरिक्षयान से बाहर निकले और अंतरिक्ष यात्रा पूरी करने के बाद ताजी हवा में पहली सांस ली। ड्रैगन अंतरिक्ष यान भारतीय समयानुसार अपराह्न 3:01 बजे दक्षिणी कैलिफोर्निया के सैन डिएगो तट पर समुद्र में उतरा, जिससे 20 दिन की अंतरिक्ष यात्रा पूरी हुई। इसमें से 18 दिन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर बिताये गए। भारतीय वायुसेना के 39 वर्षीय अधिकारी और परीक्षण पायलट शुक्ला ने 'एक्सिओम-4' मिशन के तहत अपनी पहली अंतरिक्ष यात्रा पूरी की। यह एक वाणिज्यिक अंतरिक्ष उड़ान थी, जिसे इसरो और अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का समर्थन प्राप्त था तथा यह एक्सिओम स्पेस द्वारा संचालित थी। सिंह ने पोस्ट किया, ''ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला की ऐतिहासिक एक्सिओम-4 मिशन से सफलतापूर्वक वापसी हर भारतीय के लिए गर्व का क्षण है।''

कॉलेज छात्रा की मौत की जांच के लिए एसटीआई टीम गठित : पुलिस

भुवनेश्वर/बालासोर/भाषा। ओडिशा पुलिस ने आत्मदाह करने वाली कॉलेज छात्रा की मौत की जांच में तेजी लाने के लिए एक त्वरित सुनवाई पहल (एसटीआई) टीम का गठन किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक शिक्षक के खिलाफ कथित यौन उत्पीड़न की शिकायत पर कोई ठोस कार्रवाई न होने के बाद छात्रा ने यह कदम उठाया था। पुलिस उपमहानिरीक्षक (पूर्वी रेंज) सत्यजीत नाइक ने कहा कि एसटीआई टीम में जांचकर्ता, फॉरेंसिक विशेषज्ञ और अभियोजक शामिल हैं जो मेडिकल रिकॉर्ड और डिजिटल साक्ष्य जुटाने और एक मजबूत मुकदमा तैयार करने के लिए फॉरेंसिक विश्लेषण पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एसटीआई टीम मामले की त्वरित और समन्वित जांच सुनिश्चित करेगी। एक अधिकारी ने बताया कि छात्रा द्वारा फकीर मोहन (स्वायत्त) महाविद्यालय की आंतरिक शिकायत समिति को एक जुलाई को लिखे गए पत्र को प्राथमिकी माना जा रहा है।

भाजपा के सिस्टम ने की ओडिशा में छात्रा की हत्या, प्रधानमंत्री जवाब दें : राहुल गांधी

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने ओडिशा के बालासोर में आत्मदाह करने वाली छात्रा की मौत के बाद मंगलवार को आरोप लगाया कि भाजपा के ''सिस्टम'' ने इस लड़की की हत्या की है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस विषय पर चुप्पी नहीं साधनी चाहिए, बल्कि जवाब देना चाहिए। एक शिक्षक द्वारा कथित तौर पर ''यौन उत्पीड़न'' किए जाने के मामले में न्याय न मिलने पर आत्मदाह करने वाली छात्रा ने तीन दिन तक जिंदगी और मौत से लड़ने के बाद भुवनेश्वर स्थित एम्स में सोमवार रात दम तोड़ दिया। वह बालासोर के फकीर मोहन (स्वायत्त) महाविद्यालय की एकीकृत बीएड पाठ्यक्रम की द्वितीय वर्ष की छात्रा थी। शिक्षक के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने से आहत छात्रा ने शनिवार को यह कदम उठाया और वह 95 प्रतिशत तक झुलस गई थी। राहुल गांधी ने 'एक्स' पर पोस्ट कर आरोप लगाया, ''ओडिशा में इंसाफ के लिए लड़ती एक बेटी की मौत, सीधे-सीधे भाजपा के सिस्टम द्वारा की गई हत्या है। उस बहादुर छात्रा ने यौन शोषण के खिलाफ आवाज उठाई, लेकिन न्याय देने के बजाय उसे धमकाया गया, प्रताड़ित किया गया, बार-बार अपमानित किया गया।''

पश्चिम बंगाल के 34 मछुआरों को बांग्लादेशी अधिकारियों ने हिरासत में लिया : मछुआरों के संघ का दावा

कोलकाता/भाषा। मछुआरों के एक संघ ने पश्चिम बंगाल के 34 मछुआरों को बांग्लादेशी अधिकारियों द्वारा समुद्री सीमा पर हिरासत में लिए जाने का दावा किया है। सुंदरबन सामुद्रिक मत्स्यजीवी श्रमिक संघ के सचिव सतीनाथ पात्रा ने बताया कि दक्षिण 24 परगना जिले के अधिकारियों को नामखाना से मछली पकड़ने वाली दो नौकाओं (ट्रॉलर) पर सवार होकर समुद्र में गए मछुआरों को हिरासत में लिए जाने के बारे में सूचित कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि दो ट्रॉलर (एफबी झार और एफबी मंगलचंदी) पर सवार होकर गए मछुआरों को 13 जुलाई को हिरासत में लिया गया था। पात्रा ने कहा कि दोनों देशों के मछुआरे समुद्री सीमा के आसपास एक ही क्षेत्र में मछली पकड़ने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा, ''हमें उम्मीद है कि हमारी सरकार मछुआरों को वापस लाने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी।'' एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि इस घटना की अभी पुष्टि नहीं हो सकी है।

बरेली में 200 से अधिक लोगों का धर्मांतरण कराने का आरोपी गिरफ्तार

बरेली (उप्र)/भाषा। बरेली जिले की फरीदपुर थाना पुलिस ने 200 से अधिक लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित कर उनका धर्मांतरण कराने के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बरेली दक्षिणी क्षेत्र की अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) अंशिका वर्मा ने बताया कि गिरफ्तार किए आरोपी की पहचान लालजी के रूप में हुई है, जो मऊ जिले का निवासी है। लालजी के पास से जो कागजात व पुस्तकें मिली हैं, उनसे लग रहा है कि वह लोगों का धर्म परिवर्तन कर रहा था। एएसपी ने कहा कि आरोपी के संपर्कों और आर्थिक स्रोत की जानकारी के लिए पुलिस सघन जांच कर रही है और जल्द सच्चाई सामने आएगी। पुलिस के अनुसार लालजी योजनाबद्ध तरीके से अब तक 200 से अधिक लोगों का धर्मांतरण करा चुका था, जिनके नाम उसने डायरी में नोट किए थे। इसके अलावा पुलिस ने उसके कमरे से बाइबिल और चार डायरी आदि भी बरामद की है।

पुनरीक्षण के नाम एनआरसी नहीं हो सकती, निर्वाचन आयोग 'मुद्दा भटकाओ योजना' में जुटा : कन्हैया कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने मंगलवार को कहा कि नागरिकता प्रमाणित करना निर्वाचन आयोग का काम नहीं है तथा विशेष गहन पुनरीक्षण के नाम पर राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) शुरू नहीं होनी चाहिए। उन्होंने यह दावा भी किया कि अब आयोग अपने ही तर्कों में फंस गया है और 'मुद्दा भटकाओ योजना' के तहत नेपाल, म्यांमा और बांग्लादेश के लोगों के बिहार में होने की कहानी गढ़ रहा है।

कुमार ने यहां कांग्रेस मुख्यालय 'इंदिरा भवन' में संवाददाताओं से कहा, ''यदि 2003 की पुनरीक्षण की प्रक्रिया गलत थी, तो उसके बाद के सभी चुनाव गलत हैं...क्या नरेन्द्र मोदी जी को म्यांमा और नेपाल के लोगों ने वोट दिया...अगर ऐसा है तो फिर बिहार के सभी 40 सांसदों को अयोग्य घोषित करिए और फिर से चुनाव करवाइए।'' कुमार ने एक सवाल के जवाब में कहा, ''क्या मतदाता सूची किसी राजनीतिक दल ने बनाया या निर्वाचन आयोग ने बनाया। इसका यह मतलब है कि निर्वाचन आयोग ने माना कि उसने अशुद्ध मतदाता सूची बनाई। बिहार में गंगा बहती है, एक बार मतदाता सूची को उसमें डुबकी लगवा दीजिए, शुद्ध हो जाएगी। यह (आयोग का तर्क) कोई बात होती है। आप अपनी ही प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि अब स्पष्ट हो गया है कि राहुल गांधी जो कह रहे हैं वो सही है, इसलिए आयोग को महाराष्ट्र का डेटा उपलब्ध कराना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि आयोग ने अपनी गलती मान ली है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि निर्वाचन आयोग का काम मतदाता सूची तैयार करने और मतदान तक सीमित है तथा उसका काम नागरिकता प्रमाणित करना नहीं है। कुमार ने कहा, ''मतदाता सूची के पुनरीक्षण के नाम पर एनआरसी नहीं शुरू करना चाहिए, क्योंकि यह काम गृह मंत्रालय का है।'' उन्होंने दावा किया कि जब निर्वाचन आयोग अपने ही तर्कों में फंस गया, तो खबर गढ़ी गई कि नेपाल, म्यामां और बांग्लादेश के लोग आ गए हैं। कुमार ने कहा, ''सरकार द्वारा जारी कोई भी कागज स्वीकार किया जाना चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''बिहार में कितने लोगों का जन्म प्रमाणपत्र होगा। बहुत सारे लोगों के पास दो-दो जन्मतिथि होती है, एक असली और दूसरी कागज वाली। मेरी ही दो जन्मतिथि है।''

मानसून सत्र की सफलता के लिए राजनीतिक, विदेश नीति और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों चर्चा जरूरी : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मंगलवार को उच्च सदन के सभापति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की और कहा कि विपक्ष सफल सत्र चाहता है लेकिन इसके लिए रणनीतिक, राजनीतिक, विदेश नीति और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर चर्चा जरूरी है। उन्होंने धनखड़ से मुलाकात की तस्वीर एक्स पर साझा की।

खरगे ने कहा, विपक्ष 21 जुलाई से राज्यसभा का सफल सत्र चाहता है। ऐसा होने के लिए कई रणनीतिक, राजनीतिक, विदेश नीति और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर बहस और चर्चा करने की आवश्यकता है, जो बड़ी सार्वजनिक चिंता का विषय हैं।

उनका कहना था, आज मैंने राज्यसभा के माननीय सभापति से मुलाकात की और सार्थक बातचीत हुई। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से आरंभ होकर 21 अगस्त तक चलेगा।

एक 'नाकाम सिस्टम' जान भी ले सकता है : छात्रा की मौत पर बोले पटनायक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

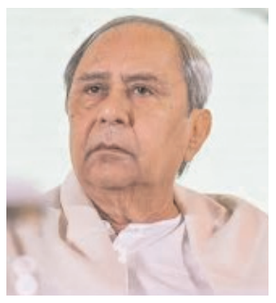

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नवीन पटनायक ने मंगलवार को कहा कि एक शिक्षक द्वारा कथित यौन उत्पीड़न किए जाने के बाद खुद को आग लगाने वाली कॉलेज छात्रा की मौत ''सिस्टम की नाकामी'' के कारण हुई।

कॉलेज छात्रा की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए, पटनायक ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''यह सोचकर और भी दुख होता है कि कैसे एक नाकाम सिस्टम किसी की जान ले सकता है। सबसे पीड़ादायक बात यह है कि यह कोई हादसा नहीं था, बल्कि एक ऐसे सिस्टम का नतीजा था जो मदद करने के बजाय खामोश बना रहा। न्याय के लिए लड़ते-लड़ते आखिरकार उस लड़की ने अपनी आंखें हमेशा के लिए बंद कर लीं।'' पटनायक ने कहा कि बड़ी हिम्मत के साथ, छात्रा ने कॉलेज के प्राचार्य को पत्र लिखकर अपने साथ हुए ''यौन उत्पीड़न'' के बारे में बताया था। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, ''कॉलेज प्रशासन द्वारा कोई कदम नहीं उठाए जाने के बाद भी उसने हार नहीं मानी। न्याय के लिए उसने उच्च शिक्षा मंत्री, मुख्यमंत्री कार्यालय और यहां तक कि एक केंद्रीय मंत्री से भी संपर्क किया।'' उन्होंने कहा कि बहादुर छात्रा ने बालासोर के सांसद से मिलकर अपनी पीड़ा साझा की। पटनायक ने कहा, ''अगर किसी एक व्यक्ति ने भी जिम्मेदारी ली होती और व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप किया होता तो शायद उस लड़की की जान बचाई जा सकती थी। उसकी जान सिर्फ शारीरिक आघात के कारण नहीं, बल्कि राज्य सरकार की लापरवाही के कारण भी गई जिसने उसकी लड़ाई में उसे अकेला छोड़ दिया।''

बीजू जनता दल (बीजद) अध्यक्ष ने कहा, ''पूरे घटनाक्रम से पता चलता है कि यह संस्थागत विश्वासघात से कम नहीं है-एक सुनियोजित अन्याय। मैं एक बार फिर माननीय राज्यपाल से आग्रह करता हूं कि वे यह सुनिश्चित करें कि न केवल कॉलेज प्रशासन, बल्कि सत्ता में बैठे लोग भी जवाबदेह ठहराए जाएं जिन्होंने छात्रा की गुहार के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की।''

पटनायक ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, ''ईश्वर दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करे। मैं एक बार फिर भगवान जगन्नाथ से प्रार्थना करता हूं कि वे परिवार के सदस्यों को इस अपार दुःख का सामना करने की शक्ति और साहस प्रदान करें। ओम शांति।''

कानपुर में भीड़ ने की थाने में तोड़फोड़ : पांच आरोपी गिरफ्तार

कानपुर (उप्र)/भाषा। कानपुर के शिवराजपुर क्षेत्र में कांवड़ यात्रा के दौरान 'असामाजिक तत्वों' ने एक होमगार्ड जवान समेत तीन लोगों पर हमला किया और थाने में तोड़फोड़ की। पुलिस ने बताया कि इस सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। हालांकि इस सिलसिले में होमगार्ड जवान की शिकायत पर दर्ज मुकदमे में कहीं भी कांवड़ या कांवड़िये शब्द का जिक्र नहीं है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार सोमवार रात एक युवक दौड़ते समय गंगा रोड तिराहा इलाके में फिसलकर गिर गया। ड्यूटी पर तैनात होमगार्ड जवान उमा शंकर, चौकीदार राम किशोर और विश्वजीत नामक एक छात्र उसकी मदद के लिए पहुंचे। यह देखकर दर्जनों 'असामाजिक तत्वों' को लगा कि उनका साथी इन्हीं लोगों की वजह से गिरा है। उन्होंने तीनों लोगों पर हमला कर दिया। सहायक पुलिस आयुक्त अमरनाथ यादव ने कहा,''भीड़ ने होमगार्ड जवान, चौकीदार और छात्र की पिटाई की। बाद में वे उनका पीछा करते हुए शिवराजपुर थाना पहुंच गए, जहां असामाजिक तत्वों ने पुलिस के साथ दुर्व्यवहार किया, गालियां दीं और थाने में तोड़फोड़ की।''

बिहार मंत्रिमंडल ने एक करोड़ नौकरियों और रोजगार के अवसरों के प्रस्ताव को मंजूरी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार मंत्रिमंडल ने अगले पांच वर्षों में 'एक करोड़ नौकरियों और रोजगार के अवसरों' के प्रस्ताव को मंगलवार को मंजूरी दे दी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में श्रम विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई और इस संबंध में संभावनाएं तलाशने और निर्णय लेने के लिए विकास आयुक्त की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय समिति गठित करने का भी निर्णय लिया गया।

मुख्यमंत्री ने रविवार को घोषणा की थी कि अगले पांच वर्षों (2025 से 2030) के लिए, हम एक करोड़ युवाओं को सरकारी नौकरी और रोजगार के अवसर प्रदान करके 2020-25 के लक्ष्य को दोगुना करने का लक्ष्य रख रहे हैं। इसे प्राप्त करने के लिए, निजी क्षेत्र में विशेष रूप से औद्योगिक क्षेत्रों में नई नौकरी और रोजगार के अवसर भी पैदा किए जाएंगे। इस उद्देश्य के लिए, एक उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया जा रहा है।

मंत्रिमंडल की बैठक के तुरंत बाद, अतिरिक्त मुख्य सचिव (कैबिनेट सचिवालय) एस सिद्धार्थ ने संवाददाताओं को बताया, राज्य मंत्रिमंडल ने मंगलवार को श्रम विभाग के उस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी, जिसके तहत अगले पांच वर्षों (2025-2030) में राज्य के युवाओं को एक करोड़ नौकरियां और रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। सरकार ने इसके लिए मुख्य सचिव की अध्यक्षता में 12 सदस्यीय समिति गठित करने का भी निर्णय लिया है।

मंत्रिमंडल ने विभिन्न विभागों के 30 प्रस्तावों को भी मंजूरी दी।

इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले यह फैसला महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने रविवार को 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा ''मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि राज्य में अब तक 10 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी और लगभग 39 लाख लोगों को रोजगार दिया जा चुका है तथा 50 लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी/रोजगार देने के लक्ष्य को निश्चित रूप से प्राप्त कर लिया जाएगा।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सात निश्चय' कार्यक्रम के तहत राज्य के युवाओं को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण दिया जा रहा है। अगले पांच वर्षों में युवाओं के कौशल विकास के लिए 'सात निश्चय' के तहत जारी कार्यक्रम को विस्तारित किया जाएगा।

चीन के मामले पर संसद में चर्चा कराए और जवाब दे सरकार : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के चीन के दौरे का हवाला देते हुए मंगलवार को कहा कि सरकार को इस पड़ोसी देश तथा दूसरी सुरक्षा चुनौतियों पर 21 जुलाई से आरंभ हो रहे संसद के मानसून सत्र में चर्चा करानी चाहिए तथा सवालों के जवाब देने चाहिए।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सवाल किया कि जब 1962 के युद्ध के समय संसद में खुली चर्चा हो सकती है तो फिर आज क्यों नहीं हो सकती? कांग्रेस ने विदेश मंत्री एस जयशंकर के चीन दौरे की पृष्ठभूमि में संसद में चर्चा की मांग दोहराई है।

जयशंकर ने सोमवार को अपने चीनी समकक्ष वांग यी के साथ वार्ता के दौरान कहा था कि भारत और चीन को तनाव कम करने समेत सीमा संबंधी मुद्दों के समाधान के लिए द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने में ''अच्छी प्रगति'' पर काम करना चाहिए और ''प्रतिबंधात्मक व्यापार उपायों एवं बाधाओं'' से बचना आवश्यक है।

रमेश ने एक बयान में कहा, ''14 जुलाई, 2025 को चीन के उपराष्ट्रपति हान झेंग के साथ अपनी बैठक में विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा कि भारत-चीन द्विपक्षीय संबंध पिछले साल अक्टूबर में कजान में प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात के बाद से लगातार सुधर रहे हैं । उन्होंने यह भी कहा कि हमारे संबंधों का निरंतर सामान्य होना दोनों देशों के लिए लाभदायक हो सकता है।'' उन्होंने कहा कि शायद विदेश मंत्री को याद दिलाना जरूरी है कि प्रधानमंत्री की राष्ट्रपति शी चिनफिंग से हुई पिछली मुलाकात के बाद भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों में क्या-क्या घटनाक्रम हुए हैं। रमेश ने दावा किया कि चीन ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को पूरा समर्थन दिया तथा पाकिस्तान ने इस ऑपरेशन को नेटवर्क-केंद्रित युद्ध प्रणाली और जे-10सी लड़ाकू विमान, पीएल-15ई एयर-टू-एयर मिसाइल और ड्रोन जैसे हथियारों के लिए टेस्टिंग ग्राउंड की तरह इस्तेमाल किया। कांग्रेस नेता ने कहा, ''भारतीय सेना के उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल राहुल आर. सिंह ने स्पष्ट रूप से कहा कि भारत ऑपरेशन सिंदूर में तीन दुश्मनों से लड़ा-जिनमें चीन भी शामिल था, जिसने पाकिस्तान को खुफिया जानकारी मुहैया कराई।'' रमेश ने सवाल किया कि विदेश मंत्री और प्रधानमंत्री, भारत की जनता को विश्वास में लेकर चीन के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा कब करेंगे ? उन्होंने कहा, इस मुद्दे पर चर्चा की मांग कांग्रेस पिछले पांच वर्षों से लगातार करती आ रही है। उम्मीद है कि प्रधानमंत्री इस बार मानसून सत्र में इस पर चर्चा के लिए सहमत होंगे।

कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि जब नवंबर 1962 में, चीन के आक्रमण के सबसे भीषण दौर में भी संसद में सीमा की स्थिति पर खुली चर्चा संभव थी, तो आज यह चर्चा क्यों नहीं हो सकती? रमेश ने कहा, यह बेहद जरूरी है कि चीन के वैश्विक विनिर्माण महाशक्ति के रूप में उभरने और दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने तथा आने वाले दशक में अमेरिका को पीछे छोड़ने की संभावना से उत्पन्न हो रहे गंभीर सुरक्षा और आर्थिक खतरों पर राष्ट्रीय सहमति बने, ताकि भारत अपनी सुरक्षा और आर्थिक रणनीति को स्पष्टता और एकजुटता के साथ तय कर सके।

जडेजा बशीर के खिलाफ जोखिम उठाकर आक्रामक शॉट खेल सकते थे: कुंबले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के पूर्व कप्तान अनिल कुंबले का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में भारतीय हरफनमौला रविंद्र जडेजा को स्पिनर शोएब बशीर के खिलाफ मोहम्मद सिराज को स्ट्राइक देने की जगह खुद जोखिम उठाकर आक्रामक शॉट खेलना चाहिए था।

जडेजा के साथ पुछल्ले बल्लेबाजों के संघर्ष से भारत मैच में वापसी करने में काफी हद तक सफल रहा लेकिन उसे 22 रन से शिकस्त का सामना करना पड़ा।

कुंबले को इस मैच ने चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट की याद दिला दी जिसमें सचिन तेंदुलकर ने पीठ दर्द के बावजूद 136 रन की पारी खेली लेकिन भारतीय टीम को 12 रन से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में ऑफ स्पिनर सकलैन मुश्ताक द्वारा जवागल श्रीनाथ का आउट होना सोमवार को सिराज के स्टंप्स की गिल्लियों को गिराने वाली गेंद के समान था।

चेन्नई में जनवरी 1999 में खेले गये उस टेस्ट मैच में टीम का हिस्सा रहे कुंबले ने 'जियोहॉटस्टार' पर कहा, '' मुझे इस मैच को देखकर चेन्नई में पाकिस्तान के खिलाफ खेला गया टेस्ट मैच याद आ गया, जिसमें हम 12 रन से हार गये थे। (सिराज का आउट होना) कुछ वैसा ही था। टीम लक्ष्य से सिर्फ 22 रन दूर थी। जडेजा एक छोर पर बस खड़े रहे। मेरा मतलब है, वह भारत को जीत के इतने करीब लाने की योजना में सफल रहे लेकिन इंग्लैंड ने कोई ढिलाई नहीं बरती।''

जडेजा ज्यादातर ओवर की चौथी या पांचवीं गेंद पर एक रन चुरा रहे थे, लेकिन कुंबले का मानना है कि उन्हें कम गति के गेंदबाजों के खिलाफ जोखिम उठाना चाहिए था।

कुंबले ने कहा, ''उन्हें उन गेंदबाजों का चयन करना चाहिये थे जिसके खिलाफ वह आक्रामक रूख अपना सकते थे। क्रिस वोक्स , जो रूट और बशीर ऐसे गेंदबाज थे। बशीर और रूट भले ही ऑफ स्पिनर है लेकिन उनकी गेंद बहुत ज्यादा टर्न नहीं ले रही थी।'' उन्होंने कहा, '' अगर किसी को जोखिम उठाना था तो वह जडेजा ही थे जिन्हें ऐसा करना चाहिये था। उन्होंने बुमराह और सिराज के साथ बल्लेबाजी के दौरान अपने पास ज्यादा स्ट्राइक रखकर अच्छा काम किया लेकिन सिराज को बशीर का पूरा ओवर खेलने के लिए देना जोखिम भरा था। उन्हें इसकी जगह खुद ही आक्रामक रुख अपनाना चाहिये थे।''

सुविचार

इस बात से फर्क नहीं पड़ता तुम कितनी ग़लती करते हो या कितनी धीरे बढ़ रहे हो, उन लोगों से बहुत आगे हो जो कोशिश ही नहीं करते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

विदेश में नौकरी: सुनहरे सपनों की बड़ी कीमत

यमन में भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की फांसी की सजा का स्थगित होना उनके लिए बड़ी राहत है। हालांकि यह अंतिम फैसला नहीं है। उक्त मामला भविष्य में क्या मोड़ लेगा, अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। निमिषा के परिजन रिहाई की कामना कर रहे हैं। भारत सरकार भी अपने स्तर पर कोशिश कर रही है। लिहाजा बेहतर की ही उम्मीद रखनी चाहिए। हर साल बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक रोजगार के सिलसिले में विदेश जाते हैं। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, कुवैत, बहरीन, ओमान जैसे देशों में कार्यबल का महत्त्वपूर्ण हिस्सा भारत से आता है। वहां वेतन (तुलनात्मक रूप से) काफी अच्छा मिलता है, लेकिन कानूनी सख्ती भी बहुत ज्यादा है। इन देशों में परंपरागत धार्मिक कानून लागू हैं। वहां विदेशी कामगारों के अधिकार अत्यंत सीमित हैं। इस बात को लेकर मानवाधिकार संगठन कई बार सवाल खड़े कर चुके हैं। 'शानदार नौकरी, मोटी कमाई, दोस्तों में रुतबा, रिश्तेदारों में इज्जत, सुरक्षित भविष्य' के सपने देखकर इन देशों में जा रहे हैं तो खूब सोच-विचार कर लेना चाहिए। वहां ज़िंदगी इतनी आसान नहीं है, जितनी बताई जाती है। वहां भारत जैसी आज़ादी नहीं है कि कोई समस्या हुई तो सोशल मीडिया पर लिख दिया, वीडियो बनाकर डाल दिया। इन देशों में एक सोशल मीडिया पोस्ट भी जान पर भारी पड़ सकती है। उधर जाकर मानवाधिकार और बराबरी की बात भूल ही जाइए। कामगारों को हमेशा याद रखना होता है कि 'हम यहां नौकरी करने आए हैं। जिस दिन नौकरी पूरी हो जाएगी, हमें अपने वतन लौटना होगा।'

निमिषा प्रिया के मामले में यह बात सामने आई है कि उन पर जिस व्यक्ति (तलाल अब्दो महदी) की हत्या का आरोप लगा, उसने उनका पासपोर्ट रख लिया था। यह भी कहा जा रहा है कि शुरुआत में तो तलाल का व्यवहार ठीक था, लेकिन बाद में वह निमिषा को प्रताड़ित करने लगा था। यह किसी एक 'निमिषा' की कहानी नहीं है। ऐसा कई लोगों के साथ हो चुका है और हो रहा है। प्राय: इन देशों में नियोक्ता, कारोबारी साझेदार पहले बहुत मधुर बातें करते हैं। उसके बाद वे संबंधित व्यक्ति का पासपोर्ट रख लेते हैं। फिर वे धीरे-धीरे सख्ती करने लगते हैं। कई लोग अपने अनुभव साझा करते हुए बता चुके हैं कि उन्हें यह कहकर बुलाया गया था कि आपको दफ्तर का काम देंगे, लेकिन बाद में घरेलू काम करवाने लगे। कुछ लोगों को तो ऊंट चराने के लिए रेगिस्तानी इलाकों में भेज दिया गया। अगर कोई व्यक्ति विरोध करता है तो उसे प्रताड़ित किया जाता है। कुछ लोग तो यह भी कहते हैं कि उनके नियोक्ता भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, नेपाल, अफगानिस्तान, श्रीलंका के नागरिकों से बहुत सख्त बर्ताव करते हैं, चाहे काम में कोई गलती न हो। कामगार अपने साथ होने वाली ज्यादती के खिलाफ आवाज नहीं उठा सकते। अगर किसी ने ऐसा किया तो जेल भेज दिए जाएंगे और वहीं से स्वदेश रवानगी होगी! भविष्य में दोबारा आने पर पाबंदी रहेगी। पुराना वेतन, बकाया आदि कुछ नहीं मिलेगा। वहां का कानून हमेशा अपने नागरिक का पक्ष लेगा। एक और भारतीय नागरिक की आपबीती सुनकर रोंगटे खड़े हो जाएंगे। वह वर्षों सऊदी अरब में रहा, अच्छी-खासी कमाई की। उसने एक स्थानीय शख्स के साथ मिलकर कारोबार शुरू किया। वहां भी उसे फायदा होने लगा। एक दिन पता चला कि उसके साझेदार ने तीसरी शादी कर ली और हनीमून मनाने के लिए विदेश चला गया। यह जानकर उसके पैरों तले जमीन खिसक गई कि साझेदार ने बैंक खाते में जमा करोड़ों रुपए भी निकाल लिए। उसकी ज़िंदगीभर की कमाई डूब गई। उसने पुलिस थानों के खूब चक्कर लगाए, लेकिन कुछ नहीं हुआ। इन देशों में कमाई का दूसरा पहलू यह भी है। दूर से दिखाई दे रही तस्वीर इतनी उज्ज्वल नहीं है। अगर रोजगार के लिए विदेश जाना ही है तो ऐसे देशों में जाएं, जहां मानवाधिकारों की स्थिति बेहतर हो।

ट्वीटर टॉक

गुजरात के लोकप्रिय मुख्यमंत्री माननीय श्री भूपेंद्रभाई पटेल जी को उनके जन्मदिवस की हार्दिक शुभेच्छा। प्रदेश में हो रहे निरंतर विकास तथा जनता के कल्याण के प्रति आपकी कतिबद्धता सराहनीय है, आशा है कि प्रभु श्री राम की कृपादृष्टि आप पर सदैव बनी रहें।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

पारदर्शिता, सेवा वितरण और सुशासन को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केंद्र सरकार ने 1 अगस्त से पोषण 2.0 योजना के अंतर्गत बायोमेट्रिक-आधारित पंजीकरण प्रणाली लागू करने की घोषणा की है।

-दीया कुमारी

भारत विकास परिषद सिर्फ एक संस्था नहीं है... ये एक विचार है, जिसने भारतीयों को भारत के तत्वों के साथ जोड़ने का प्रयास किया है और सेवा को जीवन का स्वभाव बनाने का काम भारत विकास परिषद के कार्यकर्ताओं ने किया।

-अमित शाह

प्रेरक प्रसंग

जीवन के हर पड़ाव में प्रेम

एक बार रामकृष्ण परमहंस जी के पास विचार विमर्श के लिए समाज के अनेक प्रतिनिधि मौजूद थे। युवक, किशोर, वयस्क, बुजुर्ग आदि। सवाल और जवाब का गंभीर सत्र चल रहा था। तभी अवसर पाकर एक किशोर ने भी उनसे प्रश्न किया, 'मान्यवर, प्रेम करते हुए हम धार्मिक रह सकते हैं। तो प्रेम क्या है?' रामकृष्ण ने सहज भाव से कहा, 'तुम जब एक विद्यार्थी हो तो विद्या से ही अगाध प्रेम करो। गृहस्थ बनो तो अपने कुटुंब से, परिवार से अनंत प्रेम रखो। वानप्रस्थ में आओ तो परमार्थ को ही प्रेम बना लो। संन्यास में आओ तो त्याग से ही प्रेम करने लगो। बस यही है प्रेम की परिभाषा। प्रेम जैसा भी हो पर याद रखो कि नफरत किसी से मत करो।' इतनी सुन्दर परिभाषा सुनकर वहां उपस्थित सभी अभिभूत हुए।

सामयिक

वैश्विक मंच पर चमकती हिन्दी और क्षेत्रीय राजनीति की कुंठा

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584.

हिन्दी केवल एक भाषा नहीं बल्कि भारत की आत्मा, चेतना, अस्मिता और स्वाभिमान की प्रतीक है। यह भारतीय संस्कृति की वह अदृश्य डोर है, जो देश के कोने-कोने को जोड़ती है। दुर्भाग्यवश हिन्दी जब अपनी वैश्विक उड़ान भर रही है, उसी समय देश के भीतर कुछ क्षेत्रीय राजनीतिक स्वार्थों के कारण हिन्दी का विरोध हो रहा है। खासकर महाराष्ट्र जैसे राज्य में, जहां मुंबई में हिन्दी फिल्मों का केंद्र है, वहां हिन्दी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, नारेबाजी और हिन्दी बोलने वालों पर हमले की घटनाएं चिंताजनक हैं। यह विडंबना ही है कि एक ओर जहां दुनिया हिन्दी को सम्मान दे रही है, वहीं भारत में कुछ शक्तियां इसे राजनीतिक हथियार बना रही हैं।

यह सच है कि भारत में विविध भाषाओं और बोलियों का समृद्ध संसार है। संविधान 18वीं अनुसूची में 22 भाषाओं को मान्यता देता है। इनमें से हर भाषा का सम्मान और संरक्षण आवश्यक है लेकिन इसका यह अर्थ नहीं कि राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जनसंख्या द्वारा बोली जाने वाली हिन्दी के खिलाफ वैमनस्य फैलाया जाए। हिन्दी को थोपे जाने की राजनीति और विरोध दोनों ही गलत हैं। भाषा का विकास संवाद और सहमति से होता है, न कि टकराव से। आज जब हिन्दी आर्थिक, तकनीकी, सांस्कृतिक और साहित्यिक रूप से दुनिया में भारत की पहचान बन रही है, तब इसे विरोध का विषय बनाना केवल संकीर्ण राजनीति का परिचायक है। दुनियाभर में आज जब अपनी-अपनी भाषाओं को लेकर चिंता बढ़ रही है, ऐसे समय में हिन्दी न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकप्रियता की नई ऊंचाइयों को छू रही है। एक ओर जहां सैंकड़ों भाषाएं लुप्त होने के कगार पर हैं, वहीं हिन्दी वैश्विक मंच पर तेजी से उभर रही है, जिसे लेकर हर भारतवासी को गर्व होना चाहिए।

विश्व में लगभग 6900 भाषाएं बोली जाती हैं, जिनमें से 35 से 40 प्रतिशत भाषाएं आज अपने अस्तित्व के संकट से जूझ रही हैं। इसके विपरीत हिन्दी अब दुनिया की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा बन चुकी है। 'एथ्नोलॉग' की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, हिन्दी के 61.5 करोड़ मूल वक्ता हैं। यह आंकड़ा भाषा के प्रसार और इसकी प्रभावशीलता का प्रमाण है। मन्दारिन और अंग्रेजी के बाद हिन्दी की यह स्थिति केवल आंकड़ों की बात नहीं है बल्कि यह भारत की सांस्कृतिक शक्ति का वैश्विक स्वीकार भी है। वर्षों से हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर लाने के प्रयास किए जाते रहे हैं। जून 2022 में जब संयुक्त राष्ट्र ने हिन्दी, उर्दू और बांग्ला में जानकारी उपलब्ध कराने की पहल की तो यह हिन्दी के लिए एक ऐतिहासिक क्षण था। इससे स्पष्ट हुआ था कि वैश्विक संस्थाएं अब भारतीय भाषाओं की उपेक्षा नहीं कर सकती।

दुनिया के 50 से अधिक देशों में 150 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिन्दी एक विषय के रूप में पढ़ाई जाती है। अमेरिका, जर्मनी, रूस, फ्रांस, जापान, पोलैंड, नेपाल, फिजी, मॉरीशस जैसे देशों में हिन्दी के अध्ययन और शोध को लेकर विशेष रुचि देखी जा रही है। यूजीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में भारत में हिन्दी सीखने आने वाले विदेशी विद्यार्थियों की संख्या में 300 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित फिजी में हिन्दी को राजभाषा का दर्जा प्राप्त है। वहां फिजी हिन्दी महापरिषद जैसी संस्थाएं हिन्दी के प्रचार-प्रसार में सक्रिय हैं। मॉरीशस में 2002 में स्थापित विश्व हिन्दी सचिवालय हिन्दी भाषा के अंतर्राष्ट्रीय प्रसार का सशक्त मंच बना हुआ है। यहां से विश्व हिन्दी पत्रिका और विश्व हिन्दी समाचार जैसे प्रकाशनों के जरिए हिन्दी की वैश्विक उपस्थिति मजबूत की जा रही है। रूस में भी हिन्दी साहित्य का प्रभाव गहराता जा रहा है। अनेक रूसी विद्वान तुलसीदास, प्रेमचंद, माखनलाल चतुर्वेदी, महादेवी वर्मा जैसे भारतीय लेखकों के साहित्य का रूसी में अनुवाद कर रहे हैं। रूस के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी भाषा और साहित्य का व्यापक अध्ययन होता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि साहित्यिक दृष्टि से भी हिन्दी की जड़ें वैश्विक धरातल पर गहरी हो रही हैं।

हिन्दी को ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी ने भी सम्मान दिया है। 'बच्चा', 'अच्छा', 'दादागिरी', 'पंडित', 'जुगाड़', 'गुलाब जामुन' जैसे अनेक हिन्दी शब्द अब इस प्रतिष्ठित शब्दकोश का हिस्सा बन चुके हैं। यह उस सांस्कृतिक प्रभाव की मान्यता है, जो हिन्दी शब्दों के जरिए दुनिया में फैल रहा है। अमेरिका की 'ग्लोबल लैंग्वेज मॉनीटर' संस्था हिन्दी की शब्दसंपदा को समृद्ध बता चुकी है। एक अनुमान के अनुसार हिन्दी में 1.25 लाख से अधिक शब्द हैं। वहीं, अमेरिका की 2023 की जनगणना रिपोर्ट बताती है कि वहां हिन्दी बोलने वालों की संख्या 10 लाख से अधिक हो चुकी है। 2011 की तुलना में यह वृद्धि अभूतपूर्व है। बॉलीवुड और भारतीय सिनेमा ने भी हिन्दी के वैश्विक विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिन्दी फिल्मों की लोकप्रियता आज अमेरिका, इंग्लैंड, यूएई, सिंगापुर, मलेशिया, इंडोनेशिया, बांग्लादेश, तुर्की तक फैली है। कई देशों में हिन्दी फिल्मों के रेडियो चौनल, टीवी चैनल, फिल्म समारोह और लाइव शो आयोजित किए जाते हैं, जो हिन्दी को सांस्कृतिक राजदूत के रूप में प्रस्तुत करते हैं।

हिन्दी की लोकप्रियता को सोशल मीडिया ने भी एक नई ऊंचाई दी है। यूट्यूब, इंस्टाग्राम, फेसबुक और एक्स पर हिन्दी सामग्री का विस्तार प्रतिवर्ष 20 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। 2024 की एक रिपोर्ट बताती है कि हिन्दी इंटरनेट उपयोगकर्ताओं की संख्या 20 करोड़ पार कर चुकी है। गूगल के अनुसार, हिन्दी कंटेंट की वार्षिक वृद्धि दर 94 प्रतिशत है जबकि अंग्रेजी की घटती जा रही है। अब ई-कॉमर्स और तकनीक की दुनिया में भी हिन्दी एक मजबूत बाजार भाषा बन चुकी है। अमेजन, फ्लिपकार्ट जैसी दिग्गज ई-कॉमर्स कंपनियां भी अब हिन्दी में सेवाएं दे रही हैं। डेलॉइट की 2023 की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत में 65 प्रतिशत ऑनलाइन उपभोक्ता अब हिन्दी या अन्य क्षेत्रीय भाषाओं में जानकारी लेना पसंद करते हैं। यह इस बात का प्रमाण है कि हिन्दी का आर्थिक मूल्य भी तेजी से बढ़ रहा है। गूगल ट्रांसलेट, माइक्रोसॉफ्ट ट्रांसलेटर, वॉयस असिस्टेंट्स, एआई चैटबॉट्स और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग में हिन्दी को प्रमुखता दी जा रही है। तकनीकी उपकरणों में हिन्दी इनपुट और आउटपुट की सुविधा अब आम बात हो चुकी है। भारत के डिजिटल इंडिया अभियान में भी हिन्दी की प्रमुख भूमिका है।

हिन्दी की वैश्विक प्रतिष्ठा को विश्व हिन्दी सम्मेलन जैसे आयोजन भी मजबूती दे रहे हैं। 1975 से अब तक यह सम्मेलन भारत, मॉरीशस, अमेरिका, यूके, त्रिनिदाद, फिजी जैसे देशों में आयोजित हो चुका है। इन आयोजनों में 100 से अधिक देशों के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। इतिहास गवाह है कि महात्मा गांधी ने हिन्दी को राष्ट्र की आत्मा बताते हुए इसे राष्ट्रीय एकता का आधार कहा था। भारत सरकार द्वारा 1963 में स्थापित केन्द्रीय हिन्दी संस्थान अब हिन्दी में उच्च शिक्षा, शोध और प्रशिक्षण का प्रमुख केंद्र बन चुका है। यह संस्थान प्रत्येक वर्ष हिन्दी सेवी सम्मान' प्रदान करता है, जो हिन्दी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वालों को दिए जाते हैं।

बहरहाल, हमें यह समझना होगा कि भारत के किसी भी राज्य में हिन्दी का विरोध करना भारत की एकता और संस्कृति पर हमला है। भाषा को विभाजन का नहीं, समावेशन और संवाद का साधन बनाना चाहिए। जब दुनिया हिन्दी के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को तैयार है तो हमें भी अपनी भाषायी चेतना को व्यापक बनाना होगा। हिन्दी किसी एक राज्य या क्षेत्र की नहीं, पूरे भारत की है। इसका विरोध उस भारतीयता का विरोध है, जो हिन्दी के जरिए दुनियाभर में फैल रही है। यह समय हिन्दी को राजनीति की भेंट चढ़ाने का नहीं, इसके वैश्विक उभार को समर्थन देने का है। इसलिए हमें हिन्दी को अपमानित नहीं बल्कि इसके इस उज्ज्वल भविष्य पर गर्व करना चाहिए।

मंथन

भाजपा अध्यक्ष के लिए संघ और मोदी में कशमकश

मीडिया में प्रमुखता से एक दर्जन नामों की चर्चा सुनी जा रही है। इनमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, धर्मेंद्र प्रधान, देवेंद्र फडणवीस, मनोहर लाल खट्टर, समृति ईरानी, रघुवर दास सहित जी किशन रेड्डी, बंडी संजय कुमार और प्रह्लाद जोशी, राम माधव और संजय जोशी के नाम प्रमुखता से लिए जा रहे है। रोज कुछ नाम इस सूची में कुछ नाम जुड़ रहे है। किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष का दारोमदार सौंपने की चर्चाएं भी है। संघ के पसंद- नापसंद की चर्चाएं भी छाई हुई है।

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व और संघ के मध्य सब कुछ सही नहीं चल रहा है, जिसके कारण दोनों के बीच आपसी तालमेल बिगड़ गया है। यही कारण है कि भाजपा अपना अध्यक्ष अब तक नहीं चुन पाई है। वहीं संघ के मुखिया मोहन भागवत के 75 साल वाले बयान पर मीडिया में तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही है। कुछ लोग इसे प्रधानमंत्री मोदी से जोड़कर भी देखने लगे है। लगे हाथ केंद्रीय मंत्री नीतिन गडकरी जैसे नेता का नाम मोदी के उत्तराधिकारी के तौर पर उछाला जाने लगा है। मगर आज हम बात कर रहे है, भाजपा अध्यक्ष के निर्वाचन की। पिछले एक साल से हर सप्ताह - पखवाड़े शीघ्र चुनाव की खबरे मीडिया में उछलती है। इसके साथ ही पांच सात नामों की सूची पर चर्चा होने लगती है। कुछ दिनों बाद यह चर्चा ठंडी पड़ जाती है। इसके साथ कुछ दिनों के इंतज़ार के बाद फिर चुनाव की ख़बरों से सियासत गरमाने लगती है। इस प्रकार की ख़बरें पचासों बार छप चुकी है मगर आज तक भाजपा अपना अध्यक्ष नहीं खोज पाई है। अब यह मामला कहां जाकर अटका और लटका है यह मोदी और शाह ही भलीभांति बता सकते है।

पार्टी विथ डिफरेंस का दावा करने वाली भाजपा इस समय एक अजीब से उधेड़बुन का शिकार हो रही है। भाजपा अध्यक्ष का निर्वाचन अब बीरबल की खिचड़ी बन गया है। कोई न कोई बहाना बताकर इसे लगातार आगे से आगे खिसकाया जा रहा है। दस करोड़ सदस्यों वाली पार्टी के पास वर्तमान में 335 से अधिक सांसद, 1400 विधायक तथा 16 राज्यों में खुद के बुते अथवा सहयोगियों के साथ सरकार हैं। इसके बावजूद एक अदद अध्यक्ष की तलाश पूरी नहीं हो रही है। राज्यों में भी तदर्थ अध्यक्ष पार्टी चला रहे है। पार्टी का संगठनात्मक ढांचा डांवाडोल की स्थिति में है। वर्तमान अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2023 में खत्म हो चुका है। इसके बाद लगातार नये अध्यक्ष की खोज की जा रही है मगर यह खोज ढाई साल बाद भी ख़त्म नहीं हुई है। एक व्यक्ति, एक पद का सिद्धांत भाजपा में लागू होता है। मगर दो पदों पर काम कर रहे वर्तमान अध्यक्ष को इससे छूट दे रखी है। लोग तरह तरह की टीका टिप्पणियां कर रहे है। कुछ लोग इसे भाजपा संघ के मध्य मन मुटाव से भी जोड़कर देख रहे है। बताया जा रहा है संघ ने शीर्ष नेतृत्व को अपने रूख से अवगत करा दिया है, अब फैसला पार्टी को करना है कि वह संघ के बताये रास्ते पर चलेगी अथवा अपना स्वतंत्र मार्ग अख्तियार करेगी। संघ के विश्वसनीय सूत्र बता रहे है वह आगामी लोकसभा चुनावों की रणनीति पर काम कर रही है जिसमें अध्यक्ष के साथ प्रधान मंत्री पद का फैसला अहम बन गया है। इसी बीच एक बार फिर भाजपा के सूत्र कह रहे है पार्टी के नए अध्यक्ष का चुनाव जुलाई में हो सकता है। बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व ने इस चुनाव को लेकर तैयारियां भी शुरू कर दी हैं। सूत्रों के मुताबिक बीजेपी अध्यक्ष का यह चुनाव जुलाई के अंत तक हो सकता है।

भाजपा और संघ के जानकारों का कहना है मोदी के मन की थाह लगाना मुश्किल है। भाजपा में कई फैसले ऐसे लिए गए हैं जो बेहद चौंकाने वाले थे। मनोहर लाल खट्टर से लेकर भजन लाल तक के नाम इसमें शुमार किये जा सकते है, जिनकी कल्पना किसी ने नहीं की थी। मोदी को ऐसा अध्यक्ष चाहिए जो उनका विश्वस्त तो हो ही साथ में उसे अगला चुनाव जिताने की भरपूर क्षमता और सम्भावना हो। बिहार और बंगाल सहित अनेक विधान सभाओं के चुनाव नये अध्यक्ष के कार्यकाल में संपन्न होंगे इसीलिए फूंक फूंक कर कदम उठाये जा रहे है।

इसी बीच पार्टी विथ डिफरेंस और दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करने वाली भाजपा में नये अध्यक्ष को लेकर तरह तरह की चर्चाएं व्याप्त हो रही हैं। दक्षिण भारत और उत्तर भारत की संभावनाएं भी तलाशी जा रही हैं। अनेक बड़े और दमदार नेताओं के नाम सामने आ रहे हैं, जो पार्टी के इस महत्वपूर्ण पद के लिए दावेदार हैं। इसी बीच मीडिया में प्रमुखता से एक दर्जन नामों की चर्चा सुनी जा रही है। इनमें केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, धर्मेंद्र प्रधान, देवेंद्र फडणवीस, मनोहर लाल खट्टर, समृति ईरानी, रघुवर दास सहित जी किशन रेडडी, बंडी संजय कुमार और प्रह्लाद जोशी, राम माधव और संजय जोशी के नाम प्रमुखता से लिए जा रहे है। रोज कुछ नाम इस सूची में कुछ नाम जुड़ रहे है। किसी महिला को राष्ट्रीय अध्यक्ष का दारोमदार सोंपने की चर्चाएं भी है। संघ के पसंद- नापसंद की चर्चाएं भी छाई हुई है। भाजपा के लिए नया अध्यक्ष बेहद महत्वपूर्ण होगा। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के नेतृत्व में पार्टी ने जो रणनीतियां बनाई हैं, उनके साथ नए अध्यक्ष को तालमेल बैठाना होगा। उसे पार्टी के संगठन को नई दिशा देने के साथ-साथ युवाओं को जोड़ने और आगामी चुनावों की तैयारियों में सक्रिय भूमिका के साथ एनडीए के साथी संगठनों से बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा। इसलिए पार्टी को एक ऐसे चेहरे की तलाश है जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से जुड़ा हो और संगठनात्मक दृष्टि से मजबूत हो। साथ ही मोदी और शाह के भरोसे का हो।

नजरिया

सत्य का विराट, भव्य स्वरूप

संजीव ठाकुर

मोबाइल : 9009415415

यह बात स्वामी विवेकानंदजी ने कही है। यह सच बात है कि मानव सभ्यता का सतत विकास उसकी अदम्य जिज्ञासा, उत्कट उत्साह, जिजीविषा, निरंतर उन्नति की भूख और आशावादिता का प्रतिफल है। सभ्यता और संस्कृति की सुविधा के विभिन्न सोपानों में समय-समय पर मूल्यों का स्थापना और पुराने मूल्यों का विस्थापन एक सास्वत सत्य की तरह है। परिवर्तन प्रकृति का आधारभूत नियम है। विकास में धन की आवश्यकता अवश्य होती है पर और धन का अतिरेक विकास की दिशा को दिग्भ्रमित भी कर सकता है। इसके अलावा परिस्थितियों, आवश्यकताओं, दर्शन तथा अर्थ एवं धार्मिक स्थापनाओं के अनुरूप ही समकालीन समाज का दृष्टिकोण और जीवन दर्शन निरंतर विकासवान होता है। आदिकाल से विकास के क्रम में धन के प्रयोग को बड़ा प्रबल माना गया है। शाश्वत मूल्य की मीमांसा एवं उसकी निरंतरता मानवी जीवन से जुड़े अंतरंग पहलुओं को उजागर करती है।

सत्य को सिद्धांत के रूप में भी देखा गया है। मानवी जीवन दर्शन में धन और सत्य दोनों कारकों का प्राचीन काल से ही पर्याप्त महत्व रहा है। धन का महत्व है पर धनबल सब कुछ नहीं है। सत्य एक सार्वभौमिक जीवन दर्शन है, इसे धन बल की मिथ्या कभी नष्ट अथवा विलोपित नहीं कर सकती है। धन बहुत कुछ है पर सब कुछ नहीं। सत्य सिद्धांत के बिना धन की विवेचना में मीमांसा अधूरी तथा महत्वहीन है। गलत तरीके से कमाया गया धन मनुष्य के चरित्र में उजियारे दिन के बाद घनघोर तमस की तरह है। सत्य जीवन का सार्वकालिक उजाला है। यह बात भी महसूस की गई है कि निवृत्ति, त्याग, संयम, सन्यास के स्थान पर भोग विलास को प्राथमिकता दिए जाने के कारण धन पर सत्य व नैतिक मूल्यों को बरीयता दी जाने की परंपरा रही है। वेद तथा पुराणों पर भी सत्य एवं नैतिकता के व्यवहारिक पक्ष को उजागर करते हुए लिखा गया है कि 'सत्य का सुख सोने के पात्र से ढका हुआ है, धन जब मुखर होता है तो सत्य नेपथ्य में होता है। सत्य तब मुखर होता है जब धनबल का अतिरेक होने लगता है। धनबल मिथ्या है, सत्य शाश्वत और परंपरागत अनुवांशिक शक्ति है।

और अंत में स्वामी विवेकानंद जी ने कहा है कि सत्य में वह शक्ति है जो मानव को असीमित शक्ति और अतुल्य बल प्रदान कर सकती है यदि तुम अखंड सत्य का पालन करो तो कोई भी तुम्हें रोकने में समर्थ नहीं है, यह तो सत्य है कि सत्य की शक्ति अत्यंत व्यापक एवं सर्वकालीन है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

ट्राम

कोलकाता में एक ट्राम डिपो में क्षतिग्रस्त ट्राम बोगियों का दृश्य।

शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा ने भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाओं के लिए मंच तैयार किया

नई दिल्ली/भाषा। शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष यात्रा ने भारत की मानव अंतरिक्ष उड़ान 'गगनयान' की भारतीय महत्वाकांक्षाओं को प्राप्त करने और उसके तुरंत बाद 'भारत अंतरिक्ष स्टेशन' के निर्माण के लिए मंच तैयार कर दिया है।

भारत की योजना 2027 में स्वदेश निर्मित रॉकेट और 'क्रू कैप्सूल' के माध्यम से मानव अंतरिक्ष उड़ान 'गगनयान' भेजने की है, जिसकी तैयारी उन्नत चरण में है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि शुक्ला का अंतरिक्ष प्रवास भारत के अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन 'गगनयान' की दिशा में एक और मील का पत्थर है। गगनयान मिशन के जहां 2027 में प्रक्षेपित होने की उम्मीद है, वहीं भारत अंतरिक्ष स्टेशन का पहला मॉड्यूल 2028 में प्रक्षेपित होने की उम्मीद है तथा एक पूर्ण विकसित कक्षीय प्रयोगशाला 2035 तक आकार ले लेगी। अशोका विश्वविद्यालय के खगोल वैज्ञानिक एवं कुलपति सोमक रायचौधरी ने कहा, यह मिशन मानव अंतरिक्ष उड़ान में भारत की यात्रा में एक निर्णायक अध्याय है और यह न केवल एक कदम आगे है, बल्कि महत्वाकांक्षा को क्षमता में बदलने की दिशा में एक बड़ी छलांग है। उन्होंने कहा कि आईएसएस पर किए गए प्रयोगों ने भारत के वैज्ञानिक समुदाय के लिए अंतरिक्ष कृषि और पदार्थ विज्ञान से लेकर स्वास्थ्य तथा एआई तक के नए आयाम खोले हैं।

रायचौधरी ने कहा, ये जानकारियां महत्वपूर्ण होंगी, क्योंकि हम 2027 में गगनयान, 2035 तक भारत अंतरिक्ष स्टेशन और 2040 तक मानव चंद्र मिशन जैसे अभियानों की तैयारी कर रहे हैं।

'एक्सिओम-4' के चालक दल ने अपने प्रवास के दौरान 60 वैज्ञानिक प्रयोग किए, जिनमें से सात प्रयोग इसरो द्वारा भारतीय अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर डिजाइन किए गए थे। रायचौधरी ने कहा, इन अनुभवों से हमें यह पता चलेगा कि हम अंतरिक्ष यात्रियों को कैसे प्रशिक्षित करते हैं, प्रयोगों की रूपरेखा कैसे तैयार करते हैं, तथा दीर्घकालिक, स्वतंत्र अभियानों के लिए उपयुक्त जीवनरक्षक प्रौद्योगिकियों का विकास कैसे करते हैं।

इसरो ने कहा कि 'एक्स-04 मिशन' आगामी गगनयान मिशन के लिए बहुमूल्य जानकारी प्रदान करेगा और अंतरराष्ट्रीय चालक दल एकीकरण, चिकित्सा और मनोवैज्ञानिक तैयारी, वास्तविक समय स्वास्थ्य टेलीमेट्री, प्रयोग निष्पादन और चालक दल-जमीनी समन्वय की बारीकियों में व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगा।

इसने कहा कि ये जानकारियां भारत के पहले स्वदेशी मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन के लिए मिशन योजना, सुरक्षा सत्यापन और अंतरिक्ष यात्री की तत्परता को सीधे प्रभावित करेंगी।

भारतीय अंतरिक्ष संघ के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) ए के भट्ट ने कहा कि यह उपलब्धि भारत की भविष्य की मानवयुक्त अंतरिक्ष यात्राओं के लिए एक कदम है, जिसमें गगनयान मिशन और 2040 तक भारतीय अंतरिक्ष यान से किसी भारतीय को चंद्रमा पर उतारने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य शामिल है।

भट्ट ने कहा, इससे न केवल इसरो को सहायता मिलेगी, बल्कि वैश्विक और भारतीय निजी अंतरिक्ष उद्योगों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। यह सफलता बाह्य अंतरिक्ष अन्वेषण के लिए भारत के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

वी-गार्ड ने एयरविज़ सीरीज़ लॉन्च की

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल्स में अग्रणी ब्रांड वी-गार्ड इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने एयरविज़ सीरीज़ पेश की है। यह ऊर्जा-कुशल बीएलडीसी सीलिंग पंखों की अत्याधुनिक रेंज है। इसे भारतीय घरों में आराम, सुविधा और स्टाइल को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसमें चार मॉडल एयरविज़ लाइट, एयरविज़ प्राइम, एयरविज़ प्लस और एयरविज़ एन शामिल हैं। इनमें से हर एक को विभिन्न लाइफ स्टाइल जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है।

इस अवसर पर वी-गार्ड इंडस्ट्रीज लि. के प्रबंध निदेशक मिथुन चिट्टिलापिल्ली ने कहा, 'एयरविज़ बीएलडीसी पंखे का लॉन्च हमारे उपभोक्ताओं के लिए अधिक ऊर्जा-कुशल घर बनाने की दिशा में वी-गार्ड की यात्रा में महत्त्वपूर्ण मुकाम है। वी-गार्ड में, हम उच्च प्रदर्शन वाले, शानदार प्रॉडक्ट्स की पेशकश करके इस बदलाव का नेतृत्व करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' वी-गार्ड इंडस्ट्रीज लि. के निदेशक एवं सीओओ रामचंद्रन वी ने कहा, 'वी-गार्ड में, हमारा ध्यान हमेशा मूल्य-आधारित नवाचारों पर रहा है, जो बेहतर भविष्य का निर्माण करते हैं। एयर विज़ सीरीज़ इसी दृष्टिकोण का प्रमाण है।'

अभिनेता-निर्माता धीरज कुमार का निधन

मुंबई/भाषा। मनोज कुमार की फिल्म 'रोटी कपड़ा और मकान' में अभिनय करने और हिट टेलीविजन शो 'ओम नमः शिवाय' और 'अदालत' के निर्माण के लिए पहचाने जाने वाले दिग्गज अभिनेता-निर्माता धीरज कुमार का यहां एक अस्पताल में निधन हो गया। उनके एक पारिवारिक मित्र ने मंगलवार को यह जानकारी दी। वह 79 वर्ष के थे। कुमार निमोनिया से गंभीर रूप से पीड़ित थे और उन्हें कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल की गहन चिकित्सा यूनिट में भर्ती कराया गया था। कुमार के करीबी सहयोगी और पारिवारिक मित्र अजय शुक्ला ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, आज सुबह 11 बजे कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में निमोनिया के कारण उनका निधन हो गया। वह कुछ समय से अस्वस्थ थे और शनिवार को बुखार, सर्दी और खांसी की शिकायत के चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उम्र संबंधी जटिलताओं के कारण उन्हें आईसीयू में रखा गया था। शुक्ला ने बताया कि कुमार का अंतिम संस्कार बुधवार को पवन हंस श्मशान घाट पर किया जाएगा। कुमार के परिवार ने एक बयान में उनके निधन की पुष्टि की। उनके परिवार ने कहा, गहरी संवेदना और शोक के साथ हम यह सूचित करते हैं कि अनुभवी अभिनेता, निर्माता, निर्देशक और एक अच्छे इंसान धीरज कुमार ने मंगलवार, 15 जुलाई 2025 को दोपहर लगभग 12 बजे अपने परिजनों की मौजूदगी में अंतिम सांस ली। उनके परिजनों ने बताया वे हमेशा हंसते रहते थे, हमेशा दूसरों की मदद को तैयार और हमेशा अपने परिवार, दोस्तों और पूरी इंडस्ट्री के लिए मौजूद रहते थे।

पारिवारिक मनोरंजक फिल्म 'हीर एक्सप्रेस' का ट्रेलर आउट

मुंबई/एजेन्सी

बहुप्रतीक्षित पारिवारिक मनोरंजक फिल्म 'हीर एक्सप्रेस' के मेकर्स ने फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है। फिल्म जल्द ही अगस्त में सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ट्रेलर में हीर के सफर को दिखाया गया है, जो अपने सपने पूरे करने के लिए विदेश जाती है। हालांकि वहां पहुंचकर उसको और मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जिन्हे पार कर वह अपने लक्ष्यों को पाने की कोशिश करती है। ट्रेलर में हीर की उन सभी कठिनाइयों की झलक दिखाई गई है। इस फिल्म में अभिनेत्री दिविता जुनेजा और प्रीत कमानी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। साथ ही आशुतोष राणा, गुलशन ग्रोवर, संजय मिश्रा और मेघना मलिक भी प्रमुख भूमिकाओं में होंगे।

इससे पहले मेकर्स ने फिल्म का गाना 'डोरे-डोरे दिल पे तेरे' भी रिलीज किया था। शादी के माहौल पर आधारित इस गाने में भारतीय और विदेशी कलाकार प्यार भरी धुनों पर थिरकते नजर आ रहे हैं। इस गाने के बोल श्लोक लाल ने लिखे हैं और संगीत तनिष्क बागची का है।

गायक नकाश अजीज और हरजोत कौर ने बेहतरीन आवाज दी है। गाने को लोगों के साथ साझा करते हुए निर्माताओं ने लिखा, एक आंख मारना, एक मोड़, एक छोटी सी छेड़खानी, 'डोरे-डोरे' आपके दिल को खुश करने के लिए यहां है। इसे अभी देखें! परिवार के साथ मजेदार भावनाओं का आनंद लें।

कुछ दिन पहले अभिनेत्री दिविता जुनेजा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म हीर एक्सप्रेस की अपनी पहली झलक साझा की। इस पोस्ट में वह घोड़े पर बैठी थीं और उनके चेहरे पर मुस्कान थी। उसके एक हाथ में खाना पकाने का पैन था, जबकि सब्जियां हवा में उड़ती हुई दिख रही थीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, एक हाथ में पैन, दूसरे में ताकत, हीर कल आपसे मिलने आ रही है। परिवार के साथ मज़ेदार भावनाओं का आनंद लें। हीर एक्सप्रेस 8 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। उमेश शुक्ला के निर्देशन में बनी फिल्म 'हीर एक्सप्रेस' से दिविता जुनेजा बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर रही हैं। इस फिल्म में प्रीत कामानी, आशुतोष राणा, संजय मिश्रा और गुलशन ग्रोवर भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। ट्यूलिप एंटरटेनमेंट और दिविसा एंटरटेनमेंट की प्रस्तुति में मेरी गो राउंड स्टूडियोज और क्रिएटिव स्ट्रोक्स ग्रुप के सहयोग से बनी फिल्म हीर एक्सप्रेस इस साल 8 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्माण उमेश शुक्ला, आशीष वाघ, मोहित छाबड़ा और संजय ग्रोवर ने मिलकर किया है।

स्टंट मास्टर राजू की मौत पर स्टंट कलाकारों ने जताया शोक

मुंबई/चेन्नई, 15 जुलाई /भाषा

जाने-माने स्टंटमैन एस एम राजू की तमिल फिल्म वेट्टुवम के लिए एक्शन करते समय हुई मौत पर स्टंट जगत से जुड़े कलाकारों ने गहरा शोक व्यक्त किया। राजू (52) का असली नाम मोहन राज था। उनकी तमिलनाडु के नागपट्टिनम में एक फिल्म के एक्शन दृश्य की शूटिंग के दौरान मौत हो गई। वह 13 जुलाई को नागपट्टिनम में निर्देशक पी रंजीत की फिल्म 'वेट्टुवम' के एक धमाकेदार स्टंट दृश्य के लिए एसयूवी चला रहे थे और अचानक बेहोश हो गए। उनके सहयोगियों ने उन्हें गाड़ी से बाहर निकाला और अस्पताल ले गए, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इस घटना का एक वीडियो वायरल हो गया जिसमें सेट पर मौजूद लोगों को मोहन राज की मदद के लिए दौड़ते हुए और उन्हें कार से बाहर निकालते हुए देखा जा सकता है। मोहनराज कांचीपुरम के मूल निवासी थे। स्टंट निर्देशकों और कलाकारों के अनुसार, फिल्मों में कार स्टंट अन्य किसी भी एक्शन सीन की तुलना में अधिक खतरनाक और अप्रत्याशित होते हैं, भले ही सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए गए हों। जाने-माने स्टंट निर्देशक श्याम कौशल ने कहा कि यह घटना बेहद दुखद है। श्याम कौशल ने 'पीटीआई भाषा' से कहा, मैंने इस बारे में पढ़ा और यह खबर बेहद दुखद है। मैंने उनके साथ काम नहीं किया है, लेकिन स्टंट समुदाय एक परिवार जैसा होता है। कार स्टंट में इंसान और मशीन दोनों की भूमिका होती है, और थोड़ी सी भी चूक भारी पड़ सकती है। स्टंट जोखिम भरे होते हैं।

कौशल ने डंकी, गदर 2, पोन्नियिन सेलवन, संजू, पद्मावत, बाजीराव मस्तानी जैसी फिल्मों के लिए काम किया है। 'मूवी स्टंट आर्टिस्ट्स एसोसिएशन' के महासचिव एजाज गुलाब ने भी इस घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। गुलाब ने कहा, कार और मोटरसाइकिल से जुड़े स्टंट हमेशा जोखिम भरे होते हैं। एक्शन निर्देशक सुनिश्चित करते हैं कि ऐसे स्टंट कोई अनुभवी व्यक्ति ही करें। एस एम राजू ऐसे स्टंट के लिए जाने जाते थे। यह घटना बेहद दुखद है। 'मूवी स्टंट आर्टिस्ट्स एसोसिएशन' का गठन 1959 में किया गया था। इसके करीब 600 सदस्य हैं। स्टंटमैन और अभिनेता सिल्वा ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर राजू को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने लिखा, हमारे बेहतरीन कार जंपिंग स्टंट कलाकारों में से एक एसएम राजू का निधन स्टंट करते समय हो गया। श्रद्धांजलि। हमारा संगठन और फिल्म जगत उन्हें याद करेगा।स्टंटमैन शंकर ने कहा कि

वह राजू की मौत से बेहद दुखी हैं। शंकर चेन्नई एक्सप्रेस में कार स्टंट करते समय गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, मैं जानता हूं कि राजू भी मेरी तरह कार स्टंट किया करते थे। हमने 20 साल पहले दो दक्षिण भारतीय फिल्मों में साथ काम किया था। वीडियो देखकर मन टूट गया। वह मेरे भाई जैसे थे। शंकर ने कहा कि वह 13 साल पहले जलने से गंभीर रूप से घायल हो गए थे, फिर भी वह आज तक स्टंट कर रहे हैं। उन्होंने कहा, कार की गति, स्थिति, और सुरक्षा का निरीक्षण जरूर होता है लेकिन कार स्टंट सबसे खतरनाक होते हैं। इसके लिए हिम्मत और अच्छी शारीरिक क्षमता चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि उन्होंने टोटल धमाल और हिमेश रेशमिया के एक म्यूजिक वीडियो में भी कार स्टंट किए हैं। फिल्म जगत में 50 वर्ष से अधिक समय तक सक्रिय रहे पूर्व स्टंटमैन और निर्देशक राम शेट्टी ने भी शोक जताते हुए कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि ऐसे हादसों में किसी की जान चली जाती है। मैंने उनके साथ काम नहीं किया है लेकिन उनका परिवार मेरी संवेदनाओं का पात्र है। आर्थिक मजबूरी के चलते लोग इस पेशे में आते हैं क्योंकि इसमें कोई शैक्षणिक योग्यता नहीं चाहिए।

स्टंट कलाकार परवेज़ शेख ने कहा, राजू ने अपने करियर में कई बड़े स्टंट किए हैं। यह खबर दिल तोड़ने वाली है। जब वह कार स्टंट कर रहे थे तब यह हादसा हुआ। मैं उनके परिवार के लिए प्रार्थना करता हूं। स्टंट करना जोखिम भरा होता है और हर स्टंटमैन का परिवार जानता है कि उसे चोट लग सकती है। मालिक और आदिपुरुष जैसी फिल्मों में काम कर चुके स्टंट कलाकार अरविंद गुप्ता ने कहा, मैं उन्हें व्यक्तिगत रूप से नहीं जानता लेकिन यह काम हम पैसों के लिए करते हैं और यह जानलेवा भी हो सकता है।

शादी को लेकर समाज की सोच बदल रही, अब पहले जैसा दबाव नहीं : फातिमा सना शेख

मुंबई/भाषा

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने समाज में महिलाओं और शादी को लेकर बदलते नजरिए पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि 30 साल की उम्र के बाद भी शादी न करने वाली महिलाओं को लेकर समाज में अभी कुछ हद तक पुरानी सोच बनी हुई है, लेकिन अब पहले जैसा दबाव नहीं रहा। फातिमा ने बताया कि लोग अब व्यक्तिगत पसंद और रिश्तों में बदलाव को ज्यादा स्वीकार करने लगे हैं। 'दंगल' अभिनेत्री ने कहा कि पहले एक निश्चित उम्र तक शादी करने का दबाव ज्यादा था, लेकिन अब समय बदल रहा है और रिश्तों का मतलब भी बदल गया है। आजकल लोग खुद पर और अपने करियर पर ध्यान देना पसंद कर रहे हैं या अकेले रहने का फैसला कर रहे हैं। समाज धीरे-धीरे इसे स्वीकार करना सीख रहा है।अभिनेत्री ने कहा कि अब रिश्तों का मतलब बदल गया है। कई लोग अकेले रहने में सहज हैं या दूसरी चीजों पर ध्यान दे रहे हैं। समाज इसे स्वीकार कर रहा है। मुझे नहीं पता कि यह सही है या गलत, लेकिन अब इस पर पहले जैसी पाबंदी नहीं रही। फातिमा सना शेख ने अपने पहले प्यार की याद भी साझा की। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्होंने कभी किताबों में फूल रखे या ऐसे रोमांटिक पल जिए, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, हां, बिल्कुल। उन्होंने बताया कि उनके तत्कालीन पार्टनर ने उनके जन्मदिन पर एक खास सरप्राइज प्लान किया था, जिसमें दरवाजे से कमरे तक का रास्ता फूलों से सजाया गया था। उन्होंने कहा कि चारों तरफ फूल थे और केक के आसपास मोमबत्तियां जली हुई थीं। लेकिन, यह सरप्राइज पूरी तरह वैसा नहीं रहा जैसा सोचा गया था, क्योंकि जब तक वह वहां पहुंची, ज्यादातर मोमबत्तियां पिघल चुकी थीं। हंसते हुए उन्होंने कहा कि हमें बाद में सब साफ करना पड़ा। उस पल को याद करते हुए फातिमा ने कहा कि यह एक खास और सच्चा प्यार था। उन्होंने यह भी बताया कि उस समय वह बहुत छोटी थीं और तब उनके पास फेसबुक या इंस्टाग्राम भी नहीं था। करियर की बात करें तो, फातिमा हाल ही में आर माधवन के साथ रोमांटिक कॉमेडी आप जैसा कोई में नजर आईं। विवेक सोनी के निर्देशन से सजी यह फिल्म 11 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी।

ईशा कोप्पिकर ने साझा की मानसिक स्वास्थ्य और शोहरत के पीछे छुपे मानसिक दबाव की कहानी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर, जिन्हें क्या कूल हैं हम, कृष्णा कॉटेज, एक विवाह ऐसा भी, शबरी और डॉन जैसी फिल्मों में उनके यादगार किरदारों के लिए जाना जाता है, हाल ही में मानसिक स्वास्थ्य की प्रमुख पक्षधर बनकर उभरी हैं। फिल्म इंडस्ट्री में अपने उतार-चढ़ाव भरे सफर से सबक लेते हुए, वह आत्म-मूल्य, इंटेंसिटी और भावनात्मक कल्याण को लेकर खुले संवाद को प्रोत्साहित कर रही हैं। एक ऐसी दुनिया में जहाँ चकाचौंध अक्सर गहरे निजी संघर्षों को छुपा देती है, उनकी ईमानदारी ताजगी भरी और बेहद ज़रूरी है।

ईशा ने बताया, प्रसिद्धि दोधारी तलवार की तरह होती है। एक तरफ आपको सराहना और सफलता मिलती है, लेकिन दूसरी तरफ़, ऐसी उम्मीदों पर खरा उतरने का लगातार दबाव रहता है जो हमेशा वास्तविक नहीं होतीं। उन्होंने स्वीकार किया, आपसे उम्मीद की जाती है कि आप मुस्कराते रहें, चाहे अंदर से टूटे हुए हों। लंबे समय तक मुझे यह नहीं पता था कि 'मैं ठीक नहीं हूँ' कहना भी एक विकल्प है। मुझे लगता है कि इंडस्ट्री में और लोगों को यह सुनने की ज़रूरत है कि कभी-कभी खुद को थका हुआ या हारा हुआ महसूस करना भी इंसानी बात है और यह ज़रूरी नहीं कि आप चुप रहकर सब कुछ सहें। लगातार परफॉर्म करने, हर समय परफेक्ट दिखने और प्रासंगिक बने रहने का दबाव मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा असर डालता है फिर भी बहुत कम लोग इस बारे में खुलकर बात करते हैं।

ईशा का यह कदम इन पुराने और हानिकारक सोचों को चुनौती दे रहा है जो भावनात्मक कमज़ोरी को कमजोरी समझते हैं। उनका यह सशक्त संदेश उन सभी लोगों के लिए है जो चुपचाप संघर्ष कर रहे हैं। आप जैसे हैं, वैसे ही पर्याप्त हैं। यह एक साधारण सच है जिसे हम में से कई लोग भूल जाते हैं, खासकर उस दुनिया में जहाँ हर चीज़ को फ़िल्टर और परफेक्शन के नाम पर सजाया-संवारा जाता है।

असली ताक़त सब कुछ कंट्रोल में रखने में नहीं, बल्कि खुद के प्रति सच्चे, दयालु और ईमानदार रहने में है। ईशा कोप्पिकर के ये ईमानदार विचार मनोरंजन जगत में सफलता, मजबूती और आत्म-देखभाल के प्रति नज़रिए को नया रूप देने में मदद कर रही हैं। ऐसे समय में जब सोशल मीडिया अक्सर असुरक्षा और अवास्तविक उम्मीदों को बढ़ावा देता है, उनका संदेश दिल को छू जाता है। वह न सिर्फ़ दूसरों को अपनी पहचान का एहसास दिला रही हैं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को एक अहम मुद्दा बनाकर पूरे विमर्श को बदलने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

मुंबई में 'डब्बा ट्रेडिंग' और ऑनलाइन सट्टेबाजी मामले में ईडी की छापेमारी

मुंबई/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को मुंबई में अवैध 'डब्बा ट्रेडिंग' और ऑनलाइन सट्टेबाजी नेटवर्क के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत छापेमारी की। ये नेटवर्क करोड़ों रुपये की धनराशि का लेन-देन कर रहे थे। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। ईडी ने मुंबई में चार ठिकानों से लगभग 3.3 करोड़ रुपये की बेहिसाब नकदी, कुछ लग्जरी घड़ियां और आभूषण, विदेशी मुद्रा और महंगे वाहन जब्त किए हैं।

'डब्बा ट्रेडिंग' शेयरों में व्यापार के एक अवैध और अनियमित रूप को संदर्भित करता है। उन्होंने बताया कि इस जांच के तहत वीमनी, वीएम ट्रेडिंग, स्टैंडर्ड ट्रेड्स लिमिटेड, आईबुल कैपिटल लिमिटेड, लोटसबुक, 11स्टार्स और गेमबेटलीग जैसे कुछ ऑनलाइन ट्रेडिंग और सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म एजेंसी की जांच के दायरे में हैं। धन शोधन का यह मामला मध्यप्रदेश के इंदौर स्थित लसुड़िया थाने में जनवरी में दर्ज एक प्राथमिकी से जुड़ा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | बुधवार | 16-07-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

सर्वप्रथम धर्म का मूल्यांकन करना सीखो, फिर स्वयं की गणना करना सीखो। धर्म के मूल्यांकन करने के तीन आधार बताए गए हैं पहला भौगोलिक आधार, दूसरा इतिहास और तीसरा संख्यात्मक आधार। भौगोलिक आधार पर देखा जाए तो संपूर्ण विश्व का भूगोल जांचा जाए तो धर्म करने योग्य क्षेत्र कितना अल्प है। असंख्य योजन का उर्ध्वलोक-अधोलोक एवं एक राज का तीर्यंच। फिर भी मोक्ष के अनंत सुख प्राप्त करने का स्थान मात्र ढाई दीप है।

पुण्य के उदय में कभी रुकावट मत बनिए : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में मंगलवार को विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा. ने प्रवचन में कहा कि भगवान की कथा हम हर साल सुनते हैं, लेकिन क्या कभी अपनी खुद की जीवन कथा सुनी है? हम बिना क्रोध के शायद ही कोई काम करते हैं, और जब रोज क्रोध करते हैं तो वही हमारा स्वभाव बन जाता है। साधना, धर्म, त्याग और तपस्या जितनी करने की शक्ति हो, उतनी करो, तभी हम अपने कर्मों से बच सकते हैं। दुनिया में कई ऐसे लोग और रिश्ते होते हैं जिनका स्वभाव ही दुःख पहुँचाना होता है।

मुनिश्री ने सभी से संकल्प लेने को कहा कि जिसने हमें कभी दुःख नहीं दिया, हम उसे कभी दुःख न दें। माता-पिता अगर कभी किसी बात की कमी नहीं आने देते, तो बच्चे उन्हें बड़े होकर दुःख क्यों देते हैं? जीवन ऐसा बनाना चाहिए कि माता-पिता को फख्र हो और गुरु कहें कि यह मेरा शिष्य है।

परदेसी राजा के पास पुण्य का उदय था, लेकिन वह पाप का राजा बन गया। मुनिश्री ने चेताया कि पुण्य के उदय में कभी पापी मत बनिए। जैसे पिता को दिन के अंत में अपने बेटे से हिसाब पूछना चाहिए, वैसे ही हमें अपने पुण्य के लेखे-जोखे पर भी ध्यान देना चाहिए। जिस दिन बेटे से हिसाब नहीं मिले, समझो वह हाथ से निकल गया। वैसे ही जब पुण्य का हिसाब न मिले, समझो जीवन गलत दिशा में जा रहा है। मुनिश्री ने अंत में कहा, पद ऊँचा नहीं बढ़ाता, ऐड़ियाँ उठाने से। पद ऊँचा बढ़ता है गर्दन को झुकाने से। ऐसा करने से हम अपने दिल का राजा बनते हैं।

कावड़ यात्रा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर में आरएस पुरम स्थित नेहरू विद्यालय से कावड़ यात्रा शुरू होकर शहर के मुख्य मार्ग से होकर साईबाबा कॉलोनी स्थित शक्ति धाम पहुंची। यहां भगवान शंकर पर जलाभिषेक कर सभी ने पूजन किया। सभी का स्वागत पवन अग्रवाल ने किया। संचालन राजेश अग्रवाल ने किया। इस कार्यक्रम में समस्त समाज के लोग उपस्थित थे।

अणुव्रत समिति की नवगठित टीम का हुआ शपथ ग्रहण

सुभद्रा लुणावत बनी अध्यक्ष, कुशल बांठिया मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अणुव्रत समिति चेन्नई की नवगठित टीम का शपथ ग्रहण समारोह साध्वी उदितयशा के सान्निध्य में तेरापंथ भवन, साहूकारपेट में हुई। अणुव्रत समिति महिला सदस्याओं ने अणुव्रत गीत मंगलाचरण से कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। निवर्तमान अध्यक्ष ललित आंचलिया ने नवमनोनीत अध्यक्ष एवं टीम को शुभकामनाओं के साथ शपथ दिलाई। डॉ कमलेश नाहर ने अणुव्रत आचार संहिता का वाचन किया, जिसे सभागार में उपस्थित जनमेदनी ने दोहराया।

साध्वी उदितयशा ने कहा कि संभव हो तो व्यक्ति महाव्रती बने। पर सभी अणुव्रती तो जरूर बने। गणाधिपति पूज्य गुरुदेव तुलसी ने जन जन के मानस में नैतिक चेतना के जागरण के लिए अणुव्रत आंदोलन का सूत्रपात किया। साधु-संतों ने पांव पांव पदयात्रा कर जनमानस को आंदोलित किया। अणुव्रत हर जागतिक समस्या समाधान में अचूक रामबाण है। साध्वी संगीतप्रभा ने कहा कि अणुव्रत संयम और त्याग के मार्ग पर गतिशील होने की आचार संहिता है।

नवमनोनीत अध्यक्ष सुभद्रा लुणावत ने स्वागत करते हुए करणीय कार्य की योजना प्रस्तुत करते हुए अपनी टीम में उपाध्यक्ष वरिष्ठ दिलीप धींग, उपाध्यक्ष कनिष्ठ स्वरूप चन्द दाँती, मंत्री कुशल बाँठिया, सहमंत्री कमल सामसुखा, सहमंत्री प्रदीप चोरड़िया, कोषाध्यक्ष ममता बुच्छा, प्रचार प्रसार मंत्री शांति दुधोड़िया को शामिल किया। संचालन अरिहंत बोथरा ने किया। धन्यवाद ज्ञापन मंत्री कुशल बाँठिया ने दिया।

कावड़ यात्रा — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में भवानी से कावेरी नदी से 13 जुलाई को शाम 5 बजे पूजा अर्चना कर सर्वसमाज शिव कांवड़ संघ के सान्निध्य में कावेरी से जल लेकर 70 किलोमीटर अविनाशी शंकर भोलेनाथ के मन्दिर के लिए 'बोल बम बोल बम' का जयकारा कर रवाना हुई कावड़ियों कि टोली निकली। कांवड़ संघ के मुख्य डुंगरसिंह, अशोक राव, कैलाश पारीक एवं भागीरथ गुलेरिया ने बताया कि 70 किलोमीटर पैदल कांवड़ यात्रा सोमवार को सुबह अविनाशी में भोले बाबा के मन्दिर सुबह 5 बजे पहुंचे और भगवान शंकर भोले नाथ को जलाभिषेक किया गया।

एजी जैन विद्यालय में छात्र प्रतिनिधियों का अलंकरण समारोह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां 15 जुलाई को एजी जैन हायर सेकेंडरी स्कूल साहुकारपेट में एक गरिमामय आयोजन में महान् शिक्षाविद् एवं पूर्व मुख्यमंत्री कामराजर की जयंती एवं छात्र परिषद का अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। कामराज जयंती के मौके पर छात्रों ने उनके जीवन पर आधारित भाषण, नाटक और गीत प्रस्तुत किए। कामराज के पदचिन्हों पर चलते हुए विद्यालय प्रबंधन द्वारा सभी छात्रों को निःशुल्क नाश्ता एवं सरकारी मध्यान्ह भोजन जैसी सुविधाएं मुहैया कराई जाती है जिससे की उनके सर्वांगीण विकास की अवधारणा को बल मिले। विद्यालय में छात्र परिषद के चयन की प्रक्रिया पूरी तरह लोकतांत्रिक पद्धति पर आधारित रही। पहले छात्रों ने नामांकन किया, फिर प्रचार किया और अंततः सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों एवं विद्यालय के प्रबंध समिति द्वारा मतदान कर प्रतिनिधियों का चयन किया गया। यह प्रक्रिया न केवल बच्चों में नेतृत्व क्षमता को विकसित करती है, बल्कि उन्हें हमारे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था का व्यावहारिक अनुभव भी कराती है।

नवनिर्वाचित प्रधान और उपप्रधान ने मंच पर शपथ ग्रहण की और ईमानदारी व कर्तव्यनिष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर मुख्य अथिति के रूप में विद्यालय के भूतपूर्व छात्र, तमिलनाडु राज्य के जैन अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य एवं टाटीया केमिकल कॉर्पोरेशन के प्रोप्राइटर प्रवीण टाटीया ने उपस्थित हो कार्यक्रम गरिमा बढ़ाई। साथ ही राजेश जैन काउंसिलर वार्ड नं 57 ने अपनी शुभकामनाएं विद्यालय को प्रेषित की। इस अवसर पर विद्यालय के कोरेस्पोंडेंट हनुमान बोथरा, सचिव दलजीत सिंह ढढा , प्रबंध समिति के सदस्य प्रसन्नचंद चोरडिया, गौतमचंद बोहरा एवं अन्य गणमान्य सदस्य राजिंदर चोरडिया उपस्थित थे।

विद्यालय के सचिव दलजीत सिंह ढढा कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए विद्यालय के प्रति सभी के समर्पण की सराहना की। कॉरेस्पॉन्डेंट हनुमान बोथरा ने नव-निर्वाचित सदस्यों को उनकी कर्तव्य निष्ठा का भान कराया। अपने संभाषण में मुख्य अथिति टाटीया ने छात्रों को संयमित जीवन शैली का पालन करने एवं विद्यालय की गरिमा में उत्तरोत्तर वृद्धि करने की सलाह दी एवं नव निर्वाचित सदस्यों को सैश पहनाकर सम्मानित किया और आशीर्वचन देते हुए कहा कि सच्चा नेता वह होता है जो पहले दूसरों की सेवा करना सीखता है। विद्यालय की व्यवस्था में जो अमूल-चूल परिवर्तन दृष्टिगत है वो एसएस जैन एजुकेशनल सोसाइटी के अध्यक्ष पदम चंद चोरडिया के आशीर्वाद एवं स्नेहिल वात्सल्य के वजह से संभव हो पा रहा है। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ के जयश्री ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया और छात्रों को उनके सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की अर्थशास्त्र प्रवक्ता पी हेमलता ने कामराज के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय की हिंदी पंडित सेलिना ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय की हिंदी प्रवक्ता स्पृहा ने किया।

सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री माहेश्वरी सत्संग समिति के तत्वावधान में पावन श्रवण मास की 15 जुलाई से स्थानीय श्री माहेश्वरी भवन के तपोभूमि में सप्तदिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का शुभारंभ सुबह भगवान शिवजी के रुद्राभिषेक के साथ किया गया। श्री माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी अशोक लाखोटिया, समिति के अध्यक्ष बंशीलाल दलाल सहित करीब 40 श्रद्धालुओं ने अभिषेक का लाभ उठाया।

दोपहर 3 बजे मुख्य मनोरथी प्रवीण कुमार माहेश्वरी(बिसानी) ने श्रीमद्भागवतजी को सादर व्यासपीठ पर स्थापित कर वैष्णवाचार्य 108 गोस्वामी पूज्य श्री गोवेर्धनेशजी महोदयश्री को व्यासपीठ पर विराजमान कर माल्यार्पण किया। अध्यक्ष बंशीलाल दलाल ने वैदिक मंत्रोंउच्चारण के साथ भागवतजी विधिवत पूजन कर माल्यार्पण किया। मंत्री किशोर कुमार जेठा ने श्री माहेश्वरी सभा के उपाध्यक्ष कमल गोईदानी, मुख्य मनोरथी प्रवीण माहेश्वरी, केशरीमल धीरन को आमंत्रण कर महाराजश्री से आशीर्वाद दिलवाया। सहमंत्री प्रदीप कुमार माहेश्वरी ने श्रद्धालुओं को माल्यार्पण करने हेतु आमंत्रित किया।

व्यासपीठ से प्रवचन करते हुवे आचार्यश्री श्रीगोवर्धनेशजी महोदय ने आज प्रथम दिवस श्रीमद्भागवत के माहात्म्य समझाते हुए कहा कि समस्त शास्त्रों का सार है भागवत।

आपश्री ने आज्ञा करी की सत्संग साधन नहीं अपितु फल है। श्रीमद्भागवत कथा श्रावण मास में हो रही है श्रवण नक्षत्र के स्वामी के स्वामी स्वयं भगवान है। अवतार काल में जिस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने अवतार लिया उसी प्रकार अर्धरात्रि को महाप्रभु श्रीमद वल्लभाचार्य जी का प्राकट्य अनावतार काल में हुआ। सभी श्रद्धालुओं ने भागवत की महिमा का तन्मय से श्रवण किया। समिति के उपाध्यक्षद्वय सुरेश कोठारी, अनिल घुरका, कोषाध्यक्ष राजन सारडा, संतोष सारडा, महेंद्र कंधारी, गुलाब सुदा, सुरेश भट्टड़, दिलीप कोठारी, हरकंवर चाण्डक, पूजा झंवर, सबिता माहेश्वरी, संतोष दम्माणी, प्रेमलता टावरी ने भी कथा का तन्मय से श्रवण किया।

धर्म की उपासना पद्धति गुरु और परमात्मा से बढ़कर होती है : कमलमुनि कमलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां साहुकारपेट स्थित जैन भवन में मंगलवार को राष्ट्रसंत कमल मुनि जी कमलेश ने संबोधित करते कहा कि धर्म की उपासना पद्धति गुरु और परमात्मा से बढ़कर होती है, जिसके माध्यम से आने वाली पीढ़ी में संस्कारों का निर्माण होता है। हमारे जैसे संतों का निर्माण भी उसी की देन है। किसी भी धर्म की उपासना पद्धति बाहर की अलग हो सकती है लेकिन सबका लक्ष्य एक ही है आध्यात्मिक चेतना का विकास।

उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म उपाध्याय पद्धति का उपहास करना, अपमान करना, तिरस्कार, करना नीचा दिखाना, इससे बड़ा अधर्म और पाप और कुछ नहीं हो सकता। जो संस्कृति पर कुल्हाड़ी मरने जैसा करने का काम कर रहा है।

मुनि कमलेश ने कहा कि द्रव्य क्षेत्र कल भाव अनुसार उपासना पद्धति में परिवर्तन होना सामान्य बात है। वह परिवर्तन भी उपासना पद्धति की रक्षा के लिए होता है। परंपरावादी परिवर्तन को पचा नहीं सकते और समय के साथ चलने वाले को पानी पीकर कोसते हैं वह धर्म और परमात्मा के दुश्मन है। राष्ट्रसंत ने कहा कि किसी भी धर्म की उपासना पद्धति को ऊंचा और नीचे दिखाने का काम करना मात्र अपने अहंकार का पोषण करने के समान है। उपासना ऊंची नहीं कि नहीं होती, उसके माध्यम से उठने वाले पवित्र भाव जितने महान होंगे उतना ही वह पूजनीय बनेगा। जैनसंत ने बताया कि उपासना पद्धति में आई विकृतियों को दूर करना क्रांतिकारी युगपुरुष कर सकते हैं सती प्रथा हो बलि प्रथा हो हो को दूर करके समाज का सच्चा मार्गदर्शन किया। वह हमारे लिए किसी परमात्मा से कम नहीं है। संघ के महामंत्री डॉ संजय पिंचा ने संचालन किया।

तीन दिवसीय हनुमंत कथा का आयोजन 29 अगस्त से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री बागेश्वर धाम सेवा मंडल चेन्नई द्वारा तमिलनाडु में सर्वप्रथम बार एसपीआर सिटी में बागेश्वर धाम सरकार उपनाम से प्रसिद्ध पंडित श्री धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री द्वारा हनुमंत कथा एवं दिव्य दरबार का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम आयोजक गौतम जैन एवं गौरव शर्मा ने बताया कि चेन्नई के भक्तों के विशेष आग्रह पर पंडित श्री धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री चेन्नई पधार रहे हैं जिसके लिए सेवा मंडल के सदस्यों द्वारा तैयारियां जोर शोर से की जा रही है।

सुपात्र व्यक्ति को दान देने से ही पुण्य की प्राप्ति होती है : वीरेंद्र मुनि

चेन्नई/दक्षिण भारत राष्ट्रमत। यहां सैदापेट में चातुर्मास विराजित वीरेन्द्र मुनिजी म.सा. ने मंगलवार को सुखविपाक सूत्र वाचन करते हुए दान का महत्व बताते हुए कहा कि दान निस्वार्थ भाव से देना चाहिए। शालीभद्र के खीर का दान का विवरण देते हुए कहा सुपात्र दान देने से ही एवं पुण्य उपार्जन से ही लक्ष्मी की प्राप्ति होती है। हाथों की शोभा चूड़ियां या कड़े पहनने से नहीं होती हैं बल्कि सुपात्र दान से ही हाथों की शोभा है और उसी तरह गले में हार पहनने से नहीं बल्कि प्रभु भजन से ही गले की शोभा होती है आगे आर्यसुधरमा स्वामी एवं जम्बूस्वामी का उल्लेख करते हुए दान के कही महत्व बताया। मंत्री राजेंद्र लुंकड़ ने आगे के कार्यक्रमों की सूचना देते हुए यह जानकारी दी।

महावीर प्रभु ने धर्मसंघ की स्थापना कर लोक कल्याण का मार्ग प्रशस्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां किलपॉक जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री हीरचंद्र सूरिश्वरजी महाराज ने मंगलवार को अपने प्रवचन में बताया कि तत्त्वार्थ सूत्र के 'संबंध कारिका' में आचार्य उमास्वाति महाराज कहते हैं कि तीर्थंकर नामकर्म से ही श्रमण भगवान महावीर स्वामी ने तीर्थ की प्रवृत्ति की। उन्होंने कहा कि तीर्थंकर पद आत्मिक विकास का सर्वोच्च शिखर है। तीर्थंकरों की पूजा या तीर्थ यात्रा करना सरल हो सकता है, लेकिन तीर्थंकर बनना अत्यंत दुष्कर है। उन्होंने कहा कि यह पद लाखों-करोड़ों वर्षों में कभी-कभी ही कुछ विरल आत्माओं को ही उत्कृष्ट पुण्य के प्रभाव से प्राप्त होता है। महावीर प्रभु ने संसार की असारता व पीड़ाओं को देखकर समृद्ध राज्य का त्याग किया और श्रमण धर्म को अपनाकर आत्मज्ञान की उपलब्धि की। अनंत केवलज्ञान और दर्शन प्राप्त करने के उपरांत उन्होंने 'धर्मसंघ' की स्थापना की, जो तीर्थंकरों की अनुपस्थिति में भी आध्यात्मिक चेतना का आधार बनता है।

पंन्यास प्रवर विमलपुण्य विजयजी ने कहा कि समकित देने वाले गुरु के उपकार का प्रतिदान संभव नहीं क्योंकि करोड़ों भवों के बाद ही समकितदाता गुरु का संयोग मिलता है। समकित और श्रद्धा के बिना व्यक्ति श्रावक नहीं बन सकता। उन्होंने बताया कि एक श्रावक के पास आठ प्रकार की लक्ष्मियां होती हैं पहली संपत्ति, जिसमें धन, धान्य, भूमि, भवन, चांदी, सोना, वस्त्र, द्विपद व चतुष्पद आदि नौ प्रकार की वस्तुएं आती हैं। दूसरी संतति यानी बड़ा और संपन्न कुटुंब, तीसरी सौभाग्य यानी प्रिय व्यवहार वाला, चौथी विद्या यानी ज्ञान, ध्यान व आध्यात्मिक शिक्षा, पांचवीं मेधा यानी बुद्धिमत्ता, छठी धृति यानी धैर्यशीलता, सातवीं कीर्ति यानी दान के माध्यम से यश की प्राप्ति, आठवीं कांति यानी सौंदर्य और आकर्षण। लेकिन यदि व्यक्ति के भीतर योग्यताएं नहीं हैं, तो ये सभी लक्ष्मियां व्यर्थ हैं।

उद्घाटन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबटूर के उपनगर सीरप्पालयम के आंगनवाड़ी केंद्र का उद्घाटन एवं पूर्व समाजसुधारक मुख्यमंत्री कामराज की 123वीं जयंती धूमधाम से किया गया। मुख्य अतिथि श्री वर्धमान जैन सेवा संघ (कोयंबटूर)के संरक्षक ज्ञानचंद खारीवाल ने फीता काटकर विधिवत भवन उद्घाटित किया। विशेष अतिथि संघ के संस्थापक राजेश गादिया ने आंगनवाड़ी केंद्र के बच्चों के जरूरतों को देखते हुए केंद्र को संघ की तरफ से रसोई के उपकरण प्रदान किए।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.